हरिभूमि

रायपुर भूमि

40 की रफ्तार से चली आंधी, शहरभर में टूटकर गिरे पेड़, एक्सप्रेस-वे पर धराशायी हुए खंबे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दिनभर कड़ी धूप के बाद शाम होते-होते अचानक राजधानी का मौसम बदल गया। करीब चालीस किमी. प्रतिघंटे के रफ्तार से चली आंधी की वजह जनजीवन काफी देर के लिए प्रभावित हो गया। हवा की गति तेज होने की वजह एक्सप्रेस-वे पर लगे बिजली के खंबे गिर पड़े। विभिन्न इलाकों में पुराने पेड़ उखड़ गए तो कई टहनियां सड़क पर गिरने से आवाजाही बाधित हो गई।

जून के महीने में राजधानी में पहली बार मौसम का मिजाज बदला है। सुबह उमसभरी गर्मी पश्चात शाम ढलते ही घिर आए काले बादल जमकर गरजे। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि यहां जमकर बारिश होगी, मगर तेज हवा की वजह से मौसम ने दूसरा असर दिखा दिया। तेज गति से चली हवा के प्रभाव से शहरों के विभिन्न भवनों के ऊपर लगे होर्डिंग्स प्लैक्स तो फटे ही, विभिन्न स्थानों पर लगे पेड़ भी तेज हवा की मार सह नहीं सके और कोई जड़ से उखड़ गया तो किसी की टहनियां टूटकर सड़क पर गिर गईं, इससे आवागमन बाधित हो गया। एक्सप्रेस-वे पर तेलीबांधा इलाके में हवा की गति और अधिक थी, जिसके प्रभाव से डिवाइडर पर लगाए गए आधा दर्जन खंबे गिर गए और उसमें लगे तार टूट गए। हवा का सबसे अधिक विपरीत असर वीआईपी रोड पर नजर आया, जहां अलग-अलग स्थानों पर बड़ी संख्या में पेड़ टूटकर सड़क पर आ गिरे, जिन्हें हटाने के लिए नगर निगम आपदा प्रबंधन विभाग के अमले को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

कई घंटे बिजली गुल, परेशान नागरिक

शाम होने के बाद बदले मौसम का प्रभाव शहर की विद्युत व्यवस्था पर भी नजर आया। हवा तेज होने की वजह से कई इलाकों में तार टूट गए, जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। हवा और बारिश थमने के काफी देर बाद भी बिजली नहीं आई तो लोग परेशान होते रहे। विद्युत अमला भी शिकायतों के आधार पर राहत पहुंचाने लगातार दौड़ता रहा।

इन इलाकों में गिरे पेड़

तेज आंधी के असर से वीआईपी रोड पर काफी संख्या में पेड़ गिरे। इसके अलावा सीएम हाउस के समीप, विधायक कॉलोनी, शैलेंद्र नगर, संतोषी नगर, पचपेड़ी नाका, टिकरापारा, महावीर नगर, न्यू पुरैना, अमलीडीह सहित कई इलाकों में इसकी शिकायतें आई थीं। नगर निगम आपदा प्रबंधन के नोडल अधिकारी विनोद पांडे ने बताया कि सूचना के आधार पर टीम वहां पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

शाम होते ही बदला मौसम शिकायतों पर दौड़ता रहा निगम का अमला

कुछ इलाकों में बिजली बंद होने से कई घंटे परेशान रहे शहरवासी

जमकर गरजे बादल, पर बरसे नहीं, जिले में अब तक केवल 4.6 मिमी. बारिश

प्री-मानसून एक्टिविटी कमजोर, 66 फीसदी कम

राजधानी समेत रायपुर जिले के ऊपर छाए काले बादल जमकर गरजे, लेकिन बरस नहीं पाए। तेज गति की हवा की वजह यहां केवल एक सेमी. बारिश हुई। रायपुर जिले में अब तक प्री-मानसून की गतिविधि काफी कमजोर रही है और बीते नौ दिनों केवल 4.6 मिमी. वर्षा रिकार्ड हुई है। रविवार शाम को छाए काले बादलों को देखकर यह महसूस हो रहा था कि भारी वर्षा उमस भरी गर्मी से निजात दिलाएगी, मगर ऐसा हुआ नहीं। बादल जमकर गरजे और बारिश शुरू होते ही चली तेज हवा के कुछ ही देर में बंद भी हो गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार लालपुर और माना में 13 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है। राज्य में प्री-मानसून की बारिश 1 जून से होती है और कई जिलों में इसकी मेहरबानी दिखाई पड़ रही है, मगर रायपुर में सक्रियता कम होने की वजह से अब तक बेहद कम वर्षा रिकार्ड हुई है। बीते नौ दिनों में यहां डेढ़ सेमी. तक बारिश होनी थी, मगर वास्तविक आंकड़ा आधा सेमी. से भी कम है। अगले चौबीस घंटे में बड़ा बदलाव होने की उम्मीद कम है। रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कहां-कितनी बारिश

सामान्य अथवा ज्यादा- बालोद, बलरामपुर, बीजापुर, बिलासपुर, जीपीएम, कबीरधाम, खैरागढ़-गंडई, मुंगेली, नारायणपुर, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सुकमा, सूरजपुर।
कम अथवा बहुत ज्यादा कम- बलौदाबाजार, बस्तर, बेमेतरा, धमतरी, दुर्ग, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कांकेर, कोंडागांव, कोरिया, मनेंद्रगढ़-भरतपुर, मोहला-मानपुर चौकी, रायपुर, राजनांदगांव और सरगुजा।

खबर संक्षेप

नहीं आई जगदलपुर फ्लाइट

रायपुर। सप्ताह में चार दिन जगदलपुर-रायपुर के बीच संचालित होने वाली इंडिगो की फ्लाइट रविवार को रायपुर नहीं पहुंची। यह फ्लाइट हैदराबाद से जगदलपुर होकर रायपुर आती है। रविवार को इसकी उड़ान संचालित नहीं होने की वजह को मौसम से जोड़कर देखा जा रहा है। इंडिगो की यह फ्लाइट रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को रायपुर तक आती है, शेष दिनों में इसकी आवाजाही हैदरबाद-जगदलपुर के बीच होती है। इसी तरह दिल्ली से आने वाली विस्तारा और बेंगलुरु की फ्लाइट अपने निर्धारित समय से आधे घंटे विलंब से रायपुर पहुंची।

सेफ्टी चेंबर चोरी कर ले गए, केस दर्ज

रायपुर। विधानसभा थाने में एक व्यक्ति ने दो लोगों के खिलाफ 14 हजार रुपए कीमत का सेफ्टी चेंबर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आमासिवनी निवासी संतोष अजीत ने रूबी लाल कोसले, फागूलाल सोनवानी के खिलाफ सेफ्टी चेंबर चोरी कर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई है। संतोष ने पुलिस को बताया कि रूबी तथा उसका साथी सफायर ग्रीन कॉलोनी में रखे सेफ्टी चेंबर चोरी कर ले गए।

लेन-देन के विवाद पर की मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में मोवा निवासी टी. जयेंद्र मूर्ति ने राज साहू तथा उसके एक अन्य साथी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। टी. जयेंद्र ने पुलिस को बताया कि देवपुरी स्थित एक गैरेज के पास राज तथा उसके साथी ने लेन-देन के विवाद पर उसके साथ मारपीट की।

बीए द्वितीय वर्ष में 55 प्रतिशत छात्र फेल, 14 हजार से अधिक हुए थे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा बीए द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी गई है। बीए द्वितीय वर्ष की परीक्षा में 45 प्रतिशत छात्र ही उत्तीर्ण हो सके हैं अर्थात आधे से अधिक छात्र इस परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गए हैं। यह पहली बार नहीं है, जब रविवि में छात्रों के नतीजे इतने खराब रहे हो। इस वर्ष बीकॉम और बीएससी की भी कई कक्षाओं में आधे से अधिक छात्र अनुत्तीर्ण ⏭शेष पेज 11 पर

- रविवि के बीकॉम और बीएससी छात्रों का प्रदर्शन भी रहा था खराब

सीबीएस के परिणाम घोषित

रविवि द्वारा सेंटर फॉर बेसिक साइंस में संचालित इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम पंचवर्षीय एमएससी के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणामों की घोषणा कर दी गई है। परिणाम की घोषणा के बाद काउंसिलिंग तथा प्रवेश 10 जून से प्रारंभ कर दिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट लिस्ट बनाई गई है। आरक्षण नियमों का पालन करते ⏭शेष पेज 11 पर

एयरपोर्ट पर फिर टैक्सी विवाद पुलिस ने समझाइश देकर छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में सवारी बैठाने के नाम पर टैक्सी चालकों के बीच आए दिन विवाद के साथ मारपीट करने की घटनाएं सामने आती रहती है। ऐसे ही एक मामले में शनिवार को एयरपोर्ट से टैक्सी संचालन करने वालों का बाहर से आकर सवारी बैठाने वाले एक टैक्सी चालक के साथ जमकर विवाद होने का वीडियो वायरल हो रहा है। टैक्सी ⏭शेष पेज 11 पर

- एयरपोर्ट के टैक्सी संचालकों पर बाहरी टैक्सी में सवारी नहीं बैठाने देने का आरोप

आए दिन टैक्सी चालकों के बीच होता है विवाद, इससे यात्री परेशान

इसलिए विवाद की स्थिति निर्मित

एयरपोर्ट में टैक्सी चालकों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होने का प्रमुख कारण एयरपोर्ट प्रबंधन है, टैक्सी संचालन करने ठेका देते समय एयरपोर्ट प्रबंधन ने स्पष्ट नहीं किया है कि एयरपोर्ट के अंदर से सवारी बैठाने का अधिकार ठेका लेने वाले को है। बाहर से आने वाले यात्री ओला, उबर से टैक्सी बुक करते हैं। इसी बात को लेकर एयरपोर्ट में टैक्सी चलाने वालों के साथ ओला, उबर में अटैच टैक्सी संचालकों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होती है।

क्रिकेट खेलने के विवाद पर झगड़ा, किशोर को घेरकर बेहोश होने तक पीटा

- हालत गंभीर, निजी अस्पताल में चल रहा उपचार
- परिजनों ने किया थाने का घेराव, घटना पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में मलसाय तालाब के पास मैदान में क्रिकेट खेलने के दौरान हार-जीत के विवाद को लेकर नाबालिगों के एक समूह ने एक किशोर पर बैट तथा स्टंप से जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट की घटना प्रोफेसर कॉलोनी के पास हुई। किशोर के साथ मारपीट करने वाले नाबालिगों ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में रील बनाकर वायरल भी किया। पुलिस ने इसी वीडियो के आधार पर पांच नाबालिगों को पकड़ा है। मारपीट करने वाले नाबालिगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 147,148,149, 294, 307 तथा 323 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक ⏭शेष पेज 11 पर

बेहोश होते तक पीटा

पुलिस के अनुसार घर जा रहे किशोर को नाबालिगों ने रास्ते में घेर लिया और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए बैट तथा स्टंप से ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। मारपीट की घटना में बुरी तरह से घायल किशोर बीच सड़क पर बेहोश होकर पड़ा रहा। इसी दौरान उस पर किसी परिचित की नजर पड़ी और उसने किशोर के परिजनों को जानकारी दी।

जारी है पूछताछ

क्रिकेट खेलने के विवाद में लड़कों के दो गुटों में विवाद हुआ था। एक गुट के लड़कों ने दूसरे गुट के लड़के पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद पांच नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, घटना में शामिल अन्य नाबालिगों की पतासाजी की जा रही है।
- योगेश कश्यप, टीआई, पुरानी बस्ती

हावड़ा-मुंबई एसएमटी एक्सप्रेस से नीचे उतरते वक्त फिसला पैर, ट्रेन के नीचे आया बच्चा

जल्दबाजी में आठ माह के बच्चे के साथ रेलवे ट्रेक किनारे गिरी मां, गार्ड ने ट्रेन रोककर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सुबह 11.30 बजे हावड़ा-मुंबई एसएमटी एक्सप्रेस से नीचे उतरने की जल्दबाजी में एक महिला का पैर फिसल गया और वह 8 माह के बच्चे के साथ सीधे ट्रेक के किनारे जा गिरी। गनीमत ये रही कि मां और बच्चा ट्रेन के चक्के के नीचे नहीं आए, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। जिस वक्त घटना हुई, ट्रेन की रफ्तार कम थी और ट्रेन के गार्ड की तत्परता से ट्रेन चंद सेकंड में ही रुक गई। मौके पर ⏭शेष पेज 11 पर

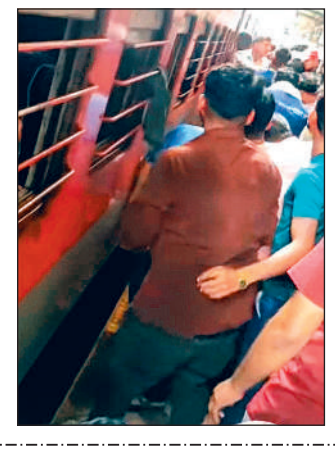

दोनों को गिरने से लगीं मामूली चोटें

पैर फिसलने से गिरी मां और बच्चे को मामूली चोटें आई हैं। आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर दोनों को प्लेटफार्म पर प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया। इस दौरान 15 से 20 मिनट तक ट्रेन प्लेटफार्म में खड़ी रही। आरपीएफ ने बताया कि ऐसी लापरवाही भारी पड़ सकती थी। ट्रेन से उतरने की जल्दबाजी में जान जा सकती थी। बड़ा हादसा हो सकता था।

मां-बच्चे और चक्के के बीच था 20 सेमी. का गेप

महिला का संतुलन बिगड़ने के बाद लोगों ने उसे प्लेटफार्म की ओर खींचने का प्रयास किया, लेकिन महिला नीचे पटरी के किनारे गिर गई। महिला और ट्रेन के चक्के के बीच केवल 20 सेंटीमीटर का फर्क था। लोगों ने जब ट्रेन गुजरने के बाद नीचे देखा तो महिला और बच्चा पटरी के साइड में लेटे हुए थे। दोनों को सुरक्षित देखकर सभी राहत की सांस ली। आरपीएफ के मुताबिक ट्रेन ऊपर से नहीं गुजरी थी।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

चकल्लस

साहब की मजबूरी

जिला शिक्षा कार्यालय के सबसे बड़े साहब से ज्यादा दुखी इन दिनों पूरे शहर में कोई नहीं होगा। मामला यह है कि एक बड़े निजी स्कूल के खिलाफ छात्रनेताओं ने मोर्चा खोल रखा है। लेकिन साहब की भी अपनी मजबूरी है, कार्रवाई कर नहीं सकते। सूत्र बताते हैं कि माल-पानी का ठीक-ठाक बंदोबस्त उनके लिए किया जा चुका है, इसलिए वे चुप्पी साधे बैठे हुए हैं। उन्होंने तो बीते दो माह से कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन नेताओं ने उनके नाक में दम जरूर कर दिया। तो फिर साहब ने इसका तोड़ यूं निकाला कि उन्होंने निजी स्कूल वालों को चाय-पानी के लिए बुलाया। इसके बाद उन्हें टिप दी कि वे पुलिस की शरण में जाएं। फिर क्या था, साहब हो गए किनारे और जंग जारी...।

संस्कृतम करोति कल्याणम

संस्कृत बोर्ड वाले मामले में रोजाना नए खुलासे हो रह हैं। अब एक व्यक्ति की पीड़ा सामने आई है। उसका कहना है कि बात सिर्फ मौजूदा सत्र की नहीं है। पिछले सत्रों में भी फर्जीवाड़ा होता रहा है। हर साल निकम्मों को दसवीं पास कराने के लिए यूपी की तर्ज पर खेल होते रहे। यानी खेल बहुत पुराना है, सिर्फ खिलाड़ी बदलते रहे हैं। वैसे सबूत तो सबके खिलाफ पर्याप्त रूप से हैं, लेकिन क्या है कि ऊपरी अधिकारी अपने खास को बचा रहे हैं और आम को निपटा रहे हैं। वजह भी है...जब कद्दू कटता है तो सबमें बंटता है। संस्कृत ने सबका कल्याण किया है।

बदला पैमाना, बदले परिणाम

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की संभावित हार जैसी नजर आ रही थी, उससे भी एक हाथ बढ़कर हुई है। पिछले चुनाव के मुकाबले एक सीट अधिक हारे हैं। इन चुनावों की समीक्षा के लिए पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति जब गहन विचार करेगी, तब करेगी। उससे पहले राजनीतिक प्रेक्षकों ने अनुमान जाहिर करना शुरू कर दिया है। कहा जा रहा है कि पार्टी में पहले टिकट का पैमाना जीत की संभावना पर तय होता था, लेकिन इस बार के चुनाव में जो टिकट बांटे गए, उसमें ये देखा गया कि प्रत्याशी चुनाव में अपनी पूंजी लगाने का दम रखता है या नहीं, यानी पैमान बदला तो परिणाम भी बदल गए।

बड़े साहब का भाव दस गुना

छत्तीसगढ़ में पिछली कांग्रेस सरकार ने जमीन-जायदाद के मामलों से संबंधित नियम में ऐसा बदलाव किया है कि सरकार बदल जाने के बाद भी लोग उसमें उलझे हैं। परेशानी ये है कि अब शिकायत किससे करें। हमारे यहां बड़ी संख्या में लोग राजस्व संबंधी मामलों को लेकर परेशान हैं, किसान के पास जमीन के कागजात सब सही सलामत है, लेकिन ऑनलाइन रिकार्ड में एक-दो खसरे नजर नहीं आ रहे हैं। पिछली से पिछली सरकार में यह गड़बड़ी पटवारी स्तर पर सुधार ली जाती थी, लेकिन पिछली सरकार ने नियम बदलकर इस सुधार का अधिकार तहसीलदार से बड़े अधिकारी को दे दिया है। अब दिक्कत तो यही है कि बड़े साहब से व्यवहार निभाने की कीमत भी दस गुना अधिक लग रही है।

उम्मीद से भाजपाई

चुनाव निपट गया, भाजपा की सरकार बन गई। लोकसभा चुनाव भी हो गया। केंद्र में सरकार भी बन गई। अब भाजपाईयों की उम्मीद परवान चढ़ेगी। निगम, मंडल, आयोगों में थोक में नियुक्तियां होनी हैं। समितियों में रखा जाएगा। अध्यक्ष बनाए जाएंगे और सदस्य भी। संसदीय सचिवों की नियुक्ति भी की जानी है। सबसे बड़ी उम्मीद मंत्री पद को लेकर है। बृजमोहन अग्रवाल का इस्तीफा कभी भी हो सकता है। उसके बाद मंत्री कौन बनेगा उसकी दौड़ शुरू हो गई है। इतने पद हैं, लेकिन उससे भी ज्यादा दावेदार।

बिजली विभाग में अंधेर

मतलब हर बारिश हुई या आंधी आई...एक चीज तय है कि बिजली जरूर जाएगी। नहीं जाएगी तो एकाध फेस जाएगा, जो कई-कई घंटे तक नहीं आएगा। सुनवाई का यह हाल है कि शिकायत नंबर मिल जाता है लेकिन उसके बाद क्या, उसका कोई हिसाब नहीं है। रविवार को पहली बारिश और आंधी में हजारों लोग परेशान हुए। शिकायत दर्ज कराई लेकिन रेस्पांस नहीं आया। फोन किया तो इंगेज, ठेकेदार का एक आदमी दफ्तर में बैठा हुआ था, वह इतना तंग था कि फोन ही रिसीव नहीं किया। मतलब अगर राजधानी में यह हाल है तो समझिए बाकी प्रदेश का क्या होता होगा।

चंदामामा दूर के ...

सरकार ने सौर ऊर्जा के जरिए लोगों को रोजगार देने का ऐलान किया। ऐसे में इस योजना को लोगों तक पहुंचाने के प्रयास शुरू हुए। चुनाव के बीच आई योजनाओं के माध्यम से कई नामी कंपनियों ने अपने ऑफर दिए। ऐसे में अफसरों ने इस ऑफरों को संज्ञान में ले लिया। अब मामले में निजी कंपनियां आगे-पीछे घूमने लगीं। तब पूरे मामले में चंदामामा के जरिए मामला सेट करने का अभियान शुरू हुआ। यह स्कीम अच्छी रही, वहां के अफसर चंदामामा की कहानी सुनाते हुए पूरा का पूरा माल डकार गए और यह हल्ला करा दिया कि मामला जहां पहुंचना था, पहुंच गया। चुनाव के बाद सभी ने नए काम के लिए संपर्क किया, तब पता चला कि चंदामामा दूर... तक जा चुके हैं, अब काम को भूल जाओ।

अब होगी छंटनी

पुरानी सरकार के नुमाइंदों के रूप में अपनी पहचान बना चुके स्वास्थ्य विभाग के अफसरों को छंटनी की तैयारी शुरू हो गई है। विभाग की अंदरूनी खबरों के जानकार सूत्रों का दावा है कि ऐसे अधिकारियों का सूची अब तक आचार संहिता की वजह से अटकी हुई थी, जिस पर जल्द ही मंत्रालय स्तर पर स्वीकृति मिलने की संभावना है। अदला-बदली वाली इस लिस्ट में रायपुर जिले के उन नोडल अफसरों के नाम भी शामिल हैं, जो बरसों से एक ही योजना का काम संभाल रहे हैं।

खुद को बदल रहे

प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल के मुखिया मीडिया मैनेज के मामले में खुद को बदल रहे हैं। शुरुआती दौर में मीडिया फ्रैंडली के रूप में अपनी पहचान बनाकर वे खासे चर्चा में आ चुके थे। अब किसी संवेदनशील मामले में भी अपनी जिम्मेदारी दूसरों के कंधे पर डालकर वे बचने का प्रयास करते नजर आते हैं। मीडिया से उनकी दूरी अस्पताल में चर्चा का विषय बनने लगी है। दबी जुबान में ये बातें भी सामने आने लगी हैं कि साहब की कुर्सी हिलने वाली है और वे बदलाव का आर्डर आने से पहले खुद को बदलने में जुट गए हैं।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला
विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

मई के बिजली बिल में सुरक्षा निधि के ब्याज से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं का गर्मी के कारण ज्यादा खपत होने से बिजली का बिल भी लगातार ज्यादा आ रहा है। ऐसे समय में मई के बिजली बिल में सुरक्षा निधि के ब्याज से बड़ी राहत मिली है। हालांकि इसका ब्याज ज्यादा नहीं है, लेकिन जिनकी जितनी ज्यादा राशि जमा है, उसके हिसाब से तीन सौ रुपए से लेकर हजार रुपए से ज्यादा तक का ब्याज मिला है। ऐसे में जिनका बिल गर्मी में हर माह पांच सौ से हजार रुपए तक ज्यादा आ रहा था, उनको बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी जब उपभोक्ताओं को बिजली का कनेक्शन देती है तो उनसे उनकी खपत के हिसाब से सुरक्षा निधि ली जाती है। हर साल सुरक्षा निधि की भी समीक्षा होती है, ज्यादा खपत होने पर सुरक्षा निधि के लिए पैसे भी लिए जाते हैं। किसी भी उपभोक्ता की जितनी बिजली की खपत होती है, उसकी एक माह की खपत को देखते हुए दो माह के बिल के बराबर सुरक्षा निधि ली जाती है। अगर किसी उपभोक्ता का हर माह का बिल दो हजार रुपए आता है तो सुरक्षा निधि में चार हजार रुपए होने चाहिए। अगर किसी का बिल हर माह पांच हजार आता है तो उसकी सुरक्षा निधि दस हजार होनी चाहिए।

हरिभूमि सरोकार

जमा निधि के हिसाब से मिल रहा है ब्याज

तीन सौ से हजार रुपए तक मिल रहा ब्याज

उपभोक्ताओं की जितनी सुरक्षा निधि जमा रहती है, उसका साल में एक बार ब्याज भी पॉवर कंपनी देती है। यह ब्याज आमतौर पर मई के बिल में मिल जाता है। इस माह के बिल में सुरक्षा निधि का ब्याज कम करके बिल दिया जाता है। इस बार जून में जो मई का बिल आ रहा है, उसमें यह राहत मिल रही है। सुरक्षा निधि पर करीब पौने सात फीसदी ब्याज मिलता है। एक उपभोक्ता का सुरक्षा निधि में 55 सौ रुपए जमा है तो उनको 371 रुपए ब्याज मिला है। इसी तरह से एक उपभोक्ता की सुरक्षा निधि 85 सौ रुपए जमा है तो उनको 573 रुपए ब्याज मिला है। कम खपत करने वाले एक उपभोक्ता की सुरक्षा निधि 4062 रुपए जमा है, उनको 273 रुपए ब्याज मिला है। इसी तरह से जिनकी जितनी ज्यादा राशि जमा है, उनको उतना ही ज्यादा ब्याज मिला है।

विभागों में कामकाज और लोकसभा परिणाम होगा आधार

साय मंत्रिमंडल में शामिल होंगे दो नए चेहरे उससे पहले मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली में अपनी व्यस्तता के बाद वापस लौटते ही यहां राज्य में अपनी सरकार के मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा करेंगे। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। माना जा रहा है कि समीक्षा के दौरान मंत्रियों के विभागों में उनके कामकाज के साथ-साथ लोकसभा चुनाव में सामने आए परिणाम के मद्देनजर भी इन मंत्रियों का प्रदर्शन देखा जाएगा।

श्री साय के नेतृत्व वाली राज्य की भाजपा सरकार के गठन के छह महीने हो रहे हैं। पिछले साल दिसंबर 2013 में चुनाव होने के बाद नई सरकार का गठन किया गया था। इस सरकार में वरिष्ठों के अलावा पहली बार चुनाव जीतकर आए नेताओं को अवसर दिया गया था। साथ ही मंत्रिमंडल में एक पद खाली रखा गया था। इसी समय ये कहा गया था कि मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा एवं लोकसभा चुनाव के बाद सामने आने वाले नतीजों के आधार पर मंत्रिमंडल का विस्तार एवं नए मंत्रियों को शामिल किया जाएगा।

फाइल फोटो

■ मंत्रियों के दो पद भी खाली, हो सकता है बदलाव

लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा के साथ ये भी देखा जाएगा कि उनके क्षेत्र में लोकसभा चुनाव में किस तरह के परिणाम आए हैं। हालांकि भाजपा राज्य की 11 में से 10 सीटों पर चुनाव जीतने में सफल रही है। 2019 में पार्टी 9 सीटें जीत पाई थी। इस हिसाब से पार्टी का प्रदर्शन पहले से बेहतर रहा है, लेकिन पूरे परिणाम की समीक्षा से ये बात सामने आ रही है कि 22 विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशी पिछड़े हैं। इस हिसाब से ये देखा जाएगा कि किस मंत्री के क्षेत्र में पार्टी का प्रदर्शन कैसा रहा। अगर मंत्रियों के कामकाज की कमजोरी से ऐसा हुआ है तो मुख्यमंत्री श्री साय की समीक्षा के दौरान इस पर भी विचार किया जाएगा।

अब आ गया है समय, दो पद भी हैं

लोकसभा चुनाव 2024 होने के बाद अब वो समय करीब आ गया है, जबकि मंत्री का एक खाली पद मरा जाए और खाली होने वाले मंत्री के एक पद के लिए किसी विधायक को मौका दिया जाए। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे सरकार के मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल रायपुर लोकसभा सीट से रिकार्ड मतों से जीते हैं। सांसद पद की शपथ लेने के बाद उन्हें अपने रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से इस्तीफा देना होगा, ये तय है। श्री अग्रवाल के स्थान पर भी कैबिनेट में एक मंत्री का पद होगा। इस तरह मुख्यमंत्री को दो नए मंत्री बनाने हैं।

इस तरह देखा जाएगा मंत्रियों का कामकाज

जानकार सूत्रों के अनुसार मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा के दौरान यह देखा जाएगा कि उन्हें आवंटित विभागों में कामकाज कैसा रहा है। हालांकि मंत्रियों के छह माह के कार्यकाल में ढाई महीने लोकसभा की चुनाव आचार संहिता के प्रतिबंध के बीच बीते हैं। इससे पहले विधानसभा का बजट सत्र हुआ था। विधानसभा में मंत्रियों के प्रदर्शन को भी उनके कामकाज के पैमाने पर परखा जाना तय है।

पंडरिया विधायक ने 24 बच्चों को लिया गोद

अकबर ने पूछा- अधिनियम का पालन किया या नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा कुकदुर हादसे के सभी मृतकों के 24 बच्चों को गोद लेने की घोषणा की गई है। पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया है कि देश में दूसरों की संतानों को गोद लेने के लिए 'हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण- पोषण अधिनियम 1959' लागू है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार गोद लेने के लिए अनेक शर्तों की पूर्ति होना आवश्यक है, इनमें से प्रमुख है कि बच्चे और गोद लेने वाले की आयु में कम से कम 21 वर्ष का अंतर होना चहिए। यदि बच्चा पुत्री है तो गोद लेने वाले की स्वयं की कोई पुत्री नहीं होनी चाहिए। यदि गोद लेने वाले का स्वयं का पुत्र है तो पुत्र को गोद नहीं लिया जा सकता। ऐसे बच्चे को गोद नहीं लिया जा सकता, जिसकी आयु 15 वर्ष से अधिक हो। यह भी प्रावधान है कि जिस बच्चे को गोद लिया गया हो, उसके संबंध समस्त परिजनों के लिए जन्म के कुटुम्बियों के साथ समस्त बंधन टूट जाएंगे और दत्तक कुटुंब में उसे समस्त अधिकार प्राप्त हो जाएंगे। गोद ले लिए जाने के पश्चात दत्तक पुत्र या पुत्री का गोद लेने वाले की संपत्तियों में उसी प्रकार से अधिकार उद्भुत होगा, जैसे कि वह उसी कुटुंब में जन्मा हो। उन्होंने कहा, इस मामले में क्या होने जा रहा है, यह मेरी जानकारी में नहीं है।

■ अधिनियम के प्रावधान के बारे में दी जानकारी

बीसीजी का निशुल्क टीका अगले माह, माहांत से सर्वे की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

टीबी की समस्या को प्रदेश में खत्म करने के लिए बीसीजी का निशुल्क टीका लगाने का काम अगले माह से शुरू किए जाने की तैयारी है। इसके हितग्राहियों की पहचान के लिए माहांत तक सर्वे का काम शुरू होने की संभावना है। स्वास्थ्य विभाग की टीम मितानिन की मदद से संदिग्ध लोगों की पहचान करेगी और उन्हें वैक्सीन लगाई जाएगी।

■ टीबी के संदिग्ध वयस्कों की पहचान कर लगाएंगे वैक्सीन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए बच्चों की तरह बड़ों को, खासकर जिनमें टीबी के लक्षण हैं, उन्हें निशुल्क बीसीजी का टीका लगाने के निर्देश दिए थे। इस आधार पर राज्य में जिलास्तर पर मैदानी अमले को वैक्सीनेशन अभियान को लेकर ट्रेनिंग दी जा चुकी है। मितानिन अपने-अपने इलाकों में टीबी के संदिग्ध लोगों की पहचान के लिए सर्वे करेंगी। हाईरिस्क की श्रेणी में आने वाले 18 साल से अधिक आयु वालों को वैक्सीन की एक खुराक दी जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि जिनमें टीबी के लक्षण आ चुके हैं, उनकी प्रतिरोधक क्षमता इस वैक्सीन की मदद से बढ़ाई जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग की टीम इसके अलावा नए टीबी के मरीजों की पहचान के लिए लगातार सर्वे अभियान चला रही है। संदिग्ध नजर आने वालों के सैंपल की जांच कर उन्हें तत्काल दवा उपलब्ध कराई जा रही है। टीबी क्षय नियंत्रण की जिम्मेदारी संभाल रहे नोडल अफसर डॉ. अजय शंकर कन्नौजे का कहना है कि जल्द ही इसके लिए माइक्रोप्लान तैयार कर हितग्राहियों की पहचान के लिए टास्क दिया जाएगा।

आरंग में हत्या मामले के आरोपियों को सरकार बचा रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, आरंग में हुई दो लोगों की हत्या के मामले में भाजपा सरकार दोषियों को बचा रही है। घटना मे एक दर्जन से अधिक अराजक तत्वों ने पीट-पीट कर दो लोगों की हत्या कर दी थी। दहशतगर्दों ने सरेआम कुछ लोगों पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला बोला था। इनमें दो की जान गई, कुछ घायल भी हुए हैं। गंभीर आपराधिक मामले में पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा 302 के तहत दर्ज करने के बजाय 304ए के तहत सदोष मानव वध का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला हत्या का है, सरकार हल्की धाराओं में कार्रवाई कर दहशतगर्दों को संरक्षण दे रही है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में छग से दो सांसदों को मिले जगह

रायपुर। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एवं मोदी मंत्रिमंडल के सभी नए मंत्रियों बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा, केंद्र की एनडीए सरकार में छत्तीसगढ़ के कम से कम दो सांसदों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। पूर्व में छत्तीसगढ़ से अटल बिहारी सरकार के समय छत्तीसगढ़ के दो सांसदों डॉ. रमन सिंह और रमेश बैस को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया किया था। छत्तीसगढ़ से अनेकों बार छत्तीसगढ़ के कद्दावर नेता स्व. विद्याचरण शुक्ल भी केंद्रीय मंत्री रहे हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए में कम से कम दो सांसदों को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान मिले।

साय बोले- हमने मोदी की गारंटी के वादों को पूरा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को मुश्किल से 6 महीने हुए हैं। 6 महीने में हम लोगों को कम काम करने का अवसर मिला। इसके बाद लोकसभा चुनाव की घोषणा हो गई, आचार संहिता लागू हो गई, लेकिन आचार संहिता लागू होने से पहले मात्र सौ दिनों में हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के सभी प्रमुख वादों को प्राथमिकता से पूरा किया है। इसका बेहतर परिणाम हमें लोकसभा में मिला। आगामी समय में गारंटी के बचे हुए वादों को सांय-सांय पूरा करेंगे।

■ दिल्ली में पत्रकारों से चर्चा में कहा- बचे वादों को भी सांय-सांय पूरा करेंगे

श्री साय ने नई दिल्ली में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, विधानसभा चुनाव में हमें छत्तीसगढ़ की जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला। छत्तीसगढ़ के मतदाताओं ने मोदी की गारंटी, भारतीय जनता पार्टी, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास किया और चौथी बार हम लोगों ने सरकार बनाई। पहले की तीन बार की जो भाजपा सरकार थी, उससे भी ज्यादा आशीर्वाद भाजपा को मिला। मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख से अधिक महिलाओं को प्रति महीने एक-एक हजार के हिसाब से चार किस्तें जारी करने की बात कही।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में तेजी

श्री साय ने कहा, पिछले 15 साल की हमारी भाजपा सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी और जब फिर से भाजपा की सरकार बनी तो केंद्र-राज्य के समन्वय से नक्सलवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में और भी तेजी आई है। उन्होंने कहा, जो छत्तीसगढ़ की पहचान है, नक्सलवाद जैसा लोग सोचते हैं, वैसा कुछ भी नहीं है। इसलिए छत्तीसगढ़ को ऐसी नजरों से बिल्कुल भी न देखें। केवल पांच जिलों में ही कुछ जगह पर नक्सलवाद है। इन क्षेत्रों में अभी तक लगभग 25 से ज्यादा सुरक्षा कैंप बनाए गए हैं और इसका मतलब कैंप के 5 किलोमीटर के रेडियस में सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाना है। नक्सली लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं

श्री साय ने कहा, छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। हमारा बस्तर स्वर्ग है, जहां चित्रकोट वाटरफॉल से लेकर कुटुमसर गुफा और तीरथगढ़ जलप्रपात है। हमारा प्रयास है कि पर्यटन क्षेत्र का अधिक से अधिक विकास करें, जिससे आय का जरिया बढ़े। छत्तीसगढ़ में खनिज भंडार की कमी नहीं है, लौह अयस्क भरपूर है, पूरा बैलाडीला का पहाड़ है। गोल्ड, डायमंड है, लिथियम भी मिला है। खनिज संपदा भरपूर है, 100 से अधिक वनोपज भी हैं, मेहनतकश किसान हैं। इसलिए सभी छत्तीसगढ़वासी मिलकर विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण के लिए काम करेंगे।

वित्त विभाग ने विभागाध्यक्ष, कलेक्टर और कमिश्नरों को बताया

बजट प्रावधान नहीं तो कैसे भेजें योजना का प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग ने सभी सरकारी विभागों से लेकर राज्य के सभी विभागाध्यक्ष, कलेक्टर और कमिश्नरों को बताया है कि किसी योजना के लिए अगर बजट में प्रावधान नहीं है तो उस योजना का प्रस्ताव वित्त विभाग को किस तरह बनाकर भेजना है। साथ ही वित्त विभाग ने प्रस्ताव भेजने संबंधी पुराने निर्देशों को भी दरकिनार कर दिया है। सरकार के वित्त विभाग ने इस संबंध में जारी निर्देश में बताया है कि वित्त विभाग को व्यय के सवंयपूर्ण एवं सुस्पष्ट प्रस्ताव कैसे भेजना है। विभाग को यह निर्देश इसलिए जारी करना पड़ा है, क्योंकि शासन के विभिन्न विभागों से वित्त विभाग को भेजे जाने वाले प्रस्ताव बनाते समय पहले से जारी निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। प्रस्ताव आधे-अधूरे होने के कारण उनका निराकरण करने में असुविधा हो रही है और ऐसे प्रस्तावों को वापस भेजना पड़ रहा है।

■ पुराने नियम भी बदले गए

अब ये करना होगा

वित्त विभाग ने निर्देश दिए हैं कि प्रस्ताव के नए प्रारूप के मुताबिक विभागीय नस्ती में प्रकरण से संबंधित सुस्पष्ट संक्षेपिका, जिसमें वित्त विभाग से अपेक्षित निर्णय के बिंदु का स्पष्ट रूप से उल्लेख हो तथा संक्षेपिका में जरूरी संदर्भ भी लिखे जाएं। बजट के प्रस्ताव में बजट प्रावधान की जानकी शीर्ष वर्गीकरण सहित अंकित हो। यदि बजट प्रावधान उपलब्ध नहीं हो तो ये स्पष्ट करना होगा कि इस खर्च के लिए राशि कैसे उपलब्ध होगी। जैसे पुनर्विनियोजन, आकस्मिकता निधि, अनुपूरक आदि का स्पष्ट उल्लेख करना होगा।

अब वित्त ने कहीं ये बात

वित्त विभाग ने साफ किया है कि विभिन्न विभागों द्वारा भेजे जाने वाले प्रस्ताव को अगर जल्दी से पास करना है तो किस तरीके से प्रस्ताव बनाएं। नवीन पदों का सृजन, रिक्त पदों के विरुद्ध भर्ती की सहमति, नवीन-प्रतिस्थापन के अंतर्गत वाहन क्रय, योजना या कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति, बजट में शामिल योजना, अनुदान, ऋण प्रस्ताव, ऋण पुनर्भुगतान की विमुक्ति तथा हवाई यात्रा की कार्योत्तर स्वीकृति के लिए लिए प्रस्ताव के नए प्रारूप तैयार किए गए हैं। इसके साथ ही पुराने निर्देशों की निरस्त कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ को केंद्रीय कैबिनेट में अपेक्षा से कम मिला प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता धनेंद्र साहू ने कहा है कि मोदी सरकार के कैबिनेट में छत्तीसगढ़ को अपेक्षाकृत प्रतिनिधित्व नहीं मिला। बिलासपुर के निर्वाचित सांसद तोखन साहू को मोदी के मंत्रिमंडल में स्थान दिया जाना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए काफी अधिक गर्व और प्रसन्नता का विषय है। साहू समाज के लिए भी यह गर्व और प्रसन्नता का विषय है। श्री साहू को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनभावना के अनुरूप प्रतिनिधित्व नहीं मिला। इस प्रदेश को विकास की जो आवश्यकता है, जो केंद्र सरकार से संबंधित है एवं हमारे छत्तीसगढ़ का अधिकार है, उसे दिलाने में वे सफल होंगे, ऐसी हमारी शुभकामना है। साथ ही कहा, मोदी मध्यप्रदेश में 29 सांसदों पर पांच मंत्री बना रहे हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में 10 सांसदों पर मात्र एक ही मंत्री बना रहे हैं, ये छत्तीसगढ़ के लोगों की भावनाओं पर कुठाराघात है। जबकि कम से कम दो मंत्री बनाए जाने थे। छत्तीसगढ़ को सांसदों की संख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

■ पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने सांसद तोखन साहू को राज्यमंत्री बनने पर दी बधाई

जीत के जश्न में डूबा शहर....

रायपुर। टी-20 वर्ल्ड कप पर देशभर के साथ राजधानीवासियों की भी निगाहें टिकी हुई थीं। जैसे ही देर रात 1 बजे टीम इंडिया ने मैच जीता, लोग खुशी से झूमने और आतिशबाजी करने लगे। बड़ी संख्या में युवा, नागरिक जय स्तंभ चौक पर एकत्र हो गए और जीत की खुशियां मनाईं। आधी रात तक शहरवासी जीत के जश्न में डूबे रहे।

खबर संक्षेप

कृषि मंत्री नेताम ने तोखन को दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा आदिमजाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने बिलासपुर लोकसभा से नवनिर्वाचित सांसद तोखन साहू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में केंद्रीय राज्यमंत्री बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में तोखन साहू को जगह दी गई है। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ को प्रतिनिधित्व प्रदान करने से एक नए विजन के साथ प्रदेश को नई गति मिलेगी।

शहीद विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि कल

रायपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता एवं छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद के संरक्षक, झीरम घाटी नक्सली-माओवादी हमले में शहीद विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि मनाई जाएगी।

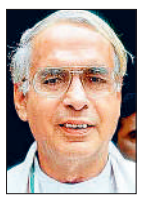

यह कार्यक्रम विद्याचरण शुक्ल उद्यान में स्थित प्रतिमा स्थल पर 11 जून को सुबह 9.30 बजे प्रारंभ होगा। इसके अलावा लभांडी स्थित राधेश्याम भवन में सुबह 10.30 बजे पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। यह जानकारी महामंत्री रामअवतार देवंगान और नितिन झा ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद के समस्त पदाधिकारी, कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य आदि शामिल हुए।

शीतला मंदिर परिसर में किया पौधारोपण

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केयर स्किल फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत धनेली में गत दिनों शीतला माता मंदिर परिसर (तालाब किनारे) में पौधारोपण किया गया। साथ ही क्षेत्रीय लोगों को पर्यावरण के महत्व एवं बचाव के बारे में जानकारी दी गई और पौधारोपण को बढ़ावा देने के लिए ग्राम विकास समिति धनेली को पौधा भी सप्रेम भेंट किया गया। इस अवसर पर ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष टेकराम वर्मा, सुरेश निषाद, नंदलाल साहू के अलावा फाउंडेशन से विजय कुमार निषाद सहित शशिकांत साहू, सनील जांगड़े, विनोद साहू, मिथिलेश निषाद, गौरव निषाद, हेम साहू, प्रियांश कुमार निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

मुख्य मार्गों व बाजार में कार्रवाई बंद होने से सैकड़ों लोगों ने दोपहिया का बदला उपयोग

मोपेड-बाइक को बनाया मालवाहक ओवरलोड दौड़ा रहे, हादसे का अंदेशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहरवासियों ने मोपेड और बाइक को अब घूमने-फिरने के बजाय इसका उपयोग सामान ढोने के लिए करना शुरू किया है। इस प्रयोग के लिए परिवहन विभाग से परमिशन लिए बिना ही दोपहिया को मोडिफाइड कराने के बाद उपयोग बदल लिया है। इनमें मोपेड व बाइक का ही नंबर प्लेट इस्तेमाल किया जा रहा है। इसे देखने के बाद भी ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है, जबकि मोडिफाइड गाड़ियों से सभी मुख्य मार्गों पर परिवहन का खेल किया जा रहा हैं।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी में जिस तेजी से विकास हो रहा है, उसी तेजी से लोगों ने नया प्रयोग भी शुरू कर दिया है। मुख्य मार्गों ही नहीं, बल्कि बाजार में भी ऐसे वाहनों की भरमार है। लोगों ने घूमने-फिरने के लिए मोपेड-बाइक खरीदने के बाद उनका उपयोग बदल लिया है। इसके लिए परिवहन विभाग से किसी ने आवेदन के जरिए परमिशन भी नहीं लिया है। नियम के मुताबिक किसी वाहन को मोडिफाइड कराने के लिए अनुमति लेने का प्रावधान है। सूत्रों ने बताया कि परिवहन विभाग गाड़ी का कलर व उनका उपयोग बदलने के लिए परमिशन नहीं देता, क्योंकि यह नियम में नहीं है। इसके बाद भी मालवीय रोड, तेलघानी नाका, गंज मार्केट, पंडरी, टाटीबंद, हीरापुर, बोरियाखुर्द, डूंडा में ऐसे वाहनों की भरमार है। दोपहिया में ट्राली लगवाने के बाद सामान ढोने का काम औद्योगिक क्षेत्र उरला, सरोरा और भनपुरी में धड़ल्ले से किया जा रहा है।

पांच हजार जुर्माने का प्रावधान

मोटरयान अधिनियम की धारा 182 क(4)- मोटरयान के स्वामी द्वारा किसी मोटरयान, जिसके अंतर्गत मोटरयान के पुर्जों की फिटिंग करने के माध्यम भी शामिल हैं। इसका किसी ऐसी रीति में परिवर्तन करता है, जो इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए नियमों, विनियमों के अधीन अनुज्ञात नहीं है। इस तरह का बदलाव करने वाले मोटरयान स्वामी पर 5 हजार रुपए का जुर्माना भी किया जा सकता है। इसके साथ ही वाहन को जब्त करने का भी प्रावधान है।

ट्राली लगाने परमिशन भी नहीं

मोपेड व बाइक को मोडिफाइड कराने के बाद इससे सामान का परिवहन करने वाले कुछ लोगों से हरिभूमि ने बात की। दोपहिया में किए बदलाव की वजह जानने का प्रयास किया तो लोगों ने पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि कोविड के दौरान प्राइवेट जॉब छूटा तो हर किसी के सामने रोजी-रोटी की समस्या आई। तब दोपहिया में ट्राली लगवाने के बाद उससे परिवहन करने लगे। इसके लिए किसी ने भी परिवहन विभाग से अभी तक परमिशन नहीं लिया है।

पुरानी दोपहिया भी मोडिफाइड

शहर में सामान ढोने वाला साइकिल रिक्शा कम देखने को मिलता है। इसकी वजह जांचने पर पता चला कि ऐसे लोगों ने पुरानी बाइक और मोपेड खरीदने के बाद उसे मोडिफाइड करा लिया है। अब इससे कूलर, एसी, सीमेंट की बोरियां ही नहीं, कबाड़ भी ढोने लगे हैं। इससे उनकी मेहनत कम लगने के साथ ही कई चक्कर लगाने से कमाई भी ज्यादा होने लगी है। ऐसे लोग यातायात पुलिस के चंगुल में फंसने पर आसानी से जुर्माना देने के बाद गाड़ी चला रहे हैं।

कार्रवाई के दिए निर्देश

बिना परमिशन दोपहिया में ट्राली लगाकर उनका व्यावसायिक उपयोग करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए निर्देश दिया गया है।अभी तक ऐसे 100 से ज्यादा लोगों से जुर्माना भी वसूल किया गया है। जिस मार्ग या इलाके में ऐसी शिकायत है, वहां कार्रवाई की जाएगी। *- गुरजीत सिंह, डीएसपी, ट्रैफिक, रायपुर*

छत्रपति शिवाजी महाराज का मनाया राज्याभिषेक दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तात्यापारा चौक स्थित शिवाजी महाराज प्रतिमा स्थल में शनिवार को 351वां राज्याभिषेक दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। साथ ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक, आरती और पूजा-अर्चना की गई। शाम को 7 नदियों के जल से महाराज के अभिषेक के साथ 351 दीयों से आरती की गई। इसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया।

- 7 नदियों के जल से महाराज के अभिषेक के साथ 351 दीयों से की आरती

इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक पुरंदर मिश्रा ने छत्रपति शिवाजी महाराज के संबंध में अपने उद्बोधन में कहा कि अगर शिवाजी महाराज न होते तो स्वराज की स्थापना मुश्किल थी, वे हम सभी के लिए पूजनीय हैं। इसी दौरान मराठा युवा अध्यक्ष लोकेश पवार ने बताया कि मराठा युवा समाज ने 351वें राज्याभिषेक के अवसर पर 351 औषधि पौधों के रोपण का प्रण भी लिया है, युवा समाज ने इसकी शुरुआत विधायक श्री मिश्रा को पीपल का पौधा भेंट कर की। मुख्य वक्ता अजय रावले ने राज्याभिषेक के दिवस के जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित: इस कार्यक्रम में मराठा मित्र मंडल के अध्यक्ष गुणवंत राव घाटगे, सुषमा महाडिक, सुरेंद्र डुकरे, महेंद्र जाधव, मनीष भोंसले, राहुल डुकरे, नीरज इंगले, दीपक इंगले, जेएन कदम, सौरभ बाकरे, सुमीत ढिगे, शिशिर सुरोषे, रविकांत शिंदे, संजू राव, अभिजीत जाचक आदि मौजूद थे।

नरसिह मंडल के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

रायपुर। व मध्यप्रदेश राज्य परिवहन निगम के पूर्व अध्यक्ष तथा गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्थापक रहे स्व. नरसिह मंडल की 12वीं पुण्यतिथि मनाई गई। यह कार्यक्रम न्यू राजेंद्रनगर स्थित मिनीमाता वातानुकूलित भवन में शुक्रवार को हुआ।

इसी दौरान बड़ी संख्या में सतनामी समाज के लोगों ने न्यू राजेंद्र नगर प्रांगण में स्थापित उनकी आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान 'नरसिंह मंडल अमर रहे' का लगातार जयघोष होता रहा। आयोजन समिति गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि पुष्पांजलि के बाद अकादमी भवन के हाल में स्मृति दिवस का आयोजन हुआ, जहां मंगल-भजनों की प्रस्तुति के साथ उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व को याद किया गया। इस अवसर पर छग राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष केपी खंडे ने कहा कि स्व. मंडल सामाजिक समरसता के प्रतीक थे, कार्यक्रम को पूर्व सांसद गोविंद राम मिरी, डॉ. जे.आर. सोनी, चंपादेवी गेंदले, डीएस पात्रे, सुंदरलाल लहरे, सुंदरलाल जोगी, एचएल रात्रे, प्रो. आरपी टंडन ने भी संबोधित किया।

अभिलेखाकार की प्रदर्शनी ज्ञान और सूचना की सच्ची निधि : जैन

रायपुर। संस्कृति विभाग अंतर्गत संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार सप्ताह के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का रविवार को समापन हुआ। 3 से 9 जून तक चली प्रदर्शनी का बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने लाभ उठाया।

kछत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और संचालक विवेक आचार्य को सुझाव दिया कि इन ऐतिहासिक महत्व के अभिलेखों को डिजिटल माध्यम से पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने विजिटर्स बुक में लिखा, यह प्रदर्शनी ज्ञान और सूचना की सच्ची निधि है। डॉ. सुप्रियो दास कोलकाता ने लिखा कि यह शानदार संग्रह है, जो शोध के दृष्टि से बहुत उपयोगी है। इस प्रदर्शनी में ललाटेंदु दास महापात्र, डॉ. पीसी पारख, प्रभात कुमार सिंह पुरातत्ववेत्ता, नीलिमा शर्मा, डॉ. राजीव मिंज, तापस बसाक, प्रवीन तिर्की, विष्णु प्रसाद नेताम, पल्लवी अग्रवाल और शुभम दुबे की महती भूमिका रही।

पेज 09 के शेष ...

बीए द्वितीय वर्ष में...

रहे हैं। रविवि द्वारा आयोजित बीए द्वितीय वर्ष की परीक्षा में 14 हजार 361 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 6 हजार 462 विद्यार्थी ही उत्तीर्ण हो सके हैं। 4 हजार 3 छात्र अनुत्तीर्ण हैं तथा 3 हजार 688 को पूरक श्रेणी में रखा गया है। 208 छात्रों के परिणाम विभिन्न कारणों से रोके गए हैं तो वहीं 310 छात्र अनुपस्थित रहे हैं। इस तरह से 55 प्रतिशत छात्र इस परीक्षा में असफल हो गए हैं। परिणाम रविवि द्वारा अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। छात्र निर्धारित अवधि में पुनर्मूल्यांकन अथवा पुनर्गणना के लिए आवेदन कर सकेंगे।

सीबीएस के परिणाम...

हुए वर्गवार कटऑफ नंबर जारी कर दिए गए हैं।गणित व जीवविज्ञान समूह में अनारक्षित 9 सीट, ओबीसी 3, अनुसूचित जनजाति 6 तथा अनुसूचित जाति 2 सीट निर्धारित है। इस प्रकार गणित समूह में 20 तथा जीवविज्ञान समूह में 20 सीटों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश के समय सभी आवश्यक मूल दस्तावेज लाना अनिवार्य है। शेष 20 पेमेंट सीट की काउंसिलिंग संबंधी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

एयरपोर्ट पर फिर...

चालकों का थाने के अंदर भी विवाद जारी रहा। हालांकि पुलिस ने किसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की, वहीं टैक्सी चालकों को विवाद नहीं करने की हिदायत दी है। पुलिस के मुताबिक बाहर से टैक्सी लेकर आए एक टैक्सी चालक के साथ एयरपोर्ट से टैक्सी चलाने वाले ड्राइवरों के साथ विवाद होने की घटना सामने आई है। एयरपोर्ट में सवारी बैठाने पहुंचे टैक्सी चालक ने पुलिस को बताया कि पैसेंजर ने ऑनलाइन बुकिंग की थी, इस वजह से वह पैसेंजर को लेने एयररपोर्ट पहुंचा था। फ्लाइट से रायपुर पहुंचे पैसेंजर को वह अपनी टैक्सी में बैठा रहा था। इस दौरान एयरपोर्ट से टैक्सी चलाने वाले ड्राइवरों ने उसे घेर लिया और सवारी ले जाने की बात को लेकर विवाद करने लगे।

विवाद से पल्ला झाड़ लेता है एयरपोर्ट प्रबंधन : एयरपोर्ट के बाहर टैक्सी चालकों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होने पर एयरपोर्ट प्रबंधन अपना पल्ला झाड़ लेता है। शिकायत करने पर एयरपोर्ट प्रबंधन टैक्सी चालकों के साथ यात्रियों को पुलिस का मामला बताकर उन्हें चलता कर देता है। टैक्सी चालकों के बीच विवाद की वजह से यात्री परेशान होते हैं। सवारी बैठाने के नाम पर टैक्सी चालक यात्रियों से विवाद करने के साथ बदसलूकी करते हैं। ऐसे विवाद के चलते एयरपोर्ट से पब्लिक ट्रांसपोर्ट की छवि पर भी असर पड़ता है।

क्रिकेट खेलने के विवाद...

शनिवार को मलसाय तालाब स्थित मैदान में नाबालिग लड़कों के दो ग्रुप के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन था। मैच खेलने के दौरान खिलाड़ियों के दो गुट में किसी खिलाड़ी के आउट होने की बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद बीच में मैच बंद कर सभी खिलाड़ी मैदान से अपने घर के लिए चल दिए। एक गुट के लड़कों ने दूसरे गुट के एक खिलाड़ी को चिन्हांकित कर सबक सिखाने का प्लान बनाया। इसी प्लान के तहत करीब 10 नाबालिग लड़कों ने दूसरे गुट के खिलाड़ी, जो शिवाजी नगर जा रहा था, उसे प्रोफेसर कॉलोनी के पास घेर लिया।

जल्दबाजी में आठ माह...

मौजूद यात्रियों ने बताया कि ट्रेन रुकने से पहले ही महिला हाथ में 8 माह के बच्चे को लिए उलटी दिशा की ओर उतरने लगी, इस दौरान उसका पैर फिसल गया, संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गई। घटना के बाद ट्रेन और प्लेटफार्म पर चीख-पुकार मच गई। जनरल कोच के दो कोच के बाद गार्ड रूम था, यात्रियों का शोर सुनकर गार्ड ने तत्काल ट्रेन रोकी, जिससे मां और मासूम बच्चे की जान बच गई।

सात जिलों के उपार्जन केंद्रों में बचा हुआ है धान

इधर... मानसून सक्रिय, उधर... उपार्जन केंद्रों में 64 लाख मीट्रिक टन धान जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब मानसून सक्रिय हो गया है, लेकिन राज्य की सोसायटियों में अब तक 64 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान जाम हो गया है। राज्य के मिलरों का कहना है कि सोसायटियों में रखा बहुत-सा धान खराब हो चुका है, इसे उठाने में घाटा हो सकता है। दूसरी ओर मिलरों से उनका तैयार किया चावल एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम नहीं ले रहा है। इन कारणों से मिलर धान उठा नहीं रहे हैं। ऐसे में अब मानसून सक्रिय होने के बाद धान खराब होने की आशंका गहरा गई है। खरीफ सीजन 2023-24 में राज्य सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जो धान खरीदा था, उसका अधिकांश हिस्सा सोसायटियों से उठाया जा चुका है, लेकिन सरकारी रिकार्ड बता रहा है कि राज्य के कई जिलों के उपार्जन केंद्रों में अब तक 64504 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान जाम है। खाद्य विभाग द्वारा बनाई गई उपार्जन नीति में कहा गया है कि सोसाइटियों में धान खरीदे जाने के 72 घंटे बाद ही धान का उठाव किया जाना है। धान खरीदी के बाद महीनों बीत चुके हैं।

मिलरों को धान उठाने में ये परेशानी

मिलरों ने बताया कि सोसायटियों में अब जो धान बाकी है, उसका एक बड़ा हिस्सा खराब हो चुका है। धान में बदबू हो गया है। इससे गुणवत्तायुक्त चावल तैयार नहीं हो सकता। दूसरी बड़ी वजह ये है कि मिलरों ने जो धान उठाकर उससे चावल तैयार किया है, उसे एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम नहीं ले रहे हैं। ऐसे में मिलरों के पास चावल और धान की बड़ी मात्रा जमा है, अब वे और धान नहीं उठा सकते। धान उठाने में देरी होने के कारण इसमें सूखत भी आई है, ऐसे में धान उठाने से मिलरों को वजन का घाटा होना तय है।

इन जिलों में धान का स्टॉक

छत्तीसगढ़ के जिन जिलों के खरीदी केंद्रों में धान जाम है, उनमें बस्तर, बीजापुर, कांकेर, कोंडागांव, सुकमा, बिलासपुर, मुंगेली, रायगढ़, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बलौदाबाजार-भाटापारा, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलरामपुर, जशपुर, कोरिया, सरगुजा जिला शामिल है। बाकी के सभी जिलों से धान का परिवहन हो चुका है। इस जिलों की सोसायटियों का पूरा धान राज्य के मिलरों ने कस्टम मिलिंग के लिए उठाया है।

खबर संक्षेप

पेड़ लगाएं जीवन बचाएं अभियान शुरू

रायपुर। पेड़ लगाएं, पर्यावरण बचाएं, जीवन बचाएं। वृक्ष पूजन अभियान रविवार को ग्राम बड़े अंवरी तहसील पाटन में रखा गया, जिसके मुखिया पर्यावरण प्रेमी देवचरण साहू एवं जनसेवक अरूण जोशी द्वारा छत्तीसगढ़ पेड़ दिवस एवं वृक्ष पूजन अभियान लगातार 24 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. पुरुषोत्तम सोनवानी, कुनाल गुप्ता, मनोज ठाकुर, सूरज साव ने पौधे लगाकर वृक्ष के महत्व को समझा, जाना और लोगों को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किए। पेड़-पौधे आवश्यक हैं, पेड़-पौधे रहेंगे, तभी मानव जीवन सुरक्षित है।

ट्रक चालक से मारपीट चाकू की नोक पर लूट

रायपुर। राखी थाने में एक ट्रक ड्राइवर ने दो बाइक सवार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चाकू की नोक पर मारपीट करने तथा 10 हजार रुपए लूटने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ट्रक ड्राइवर पिरदा मंदिर हसौद से गिट्टी भरकर सिहावा ले जा रहा था, इसी दौरान ट्रक के अंदर बैठकर खाना खा रहे ड्राइवर के साथ बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक तेलीबांधा जोरा स्थित धनगुरु ट्रांसपोर्ट में ट्रक चलाने वाले महेश प्रजापति ने लूट की शिकायत दर्ज कराई है। महेश ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार देर रात वह पुरखौती मुक्तांगन के पास ट्रक खड़ा कर अंदर बैठकर खाना खा रहा था। वह ट्रक में अकेला था। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश वहां पहुंचे और कंडक्टर तथा ड्राइवर साइड का दरवाजा खोलकर ट्रक के अंदर दाखिल हुए। एक बदमाश ने ट्रक ड्राइवर से पीने के लिए पानी मांगा। इसी बीच दूसरे बदमाश ने जेब से चाकू निकालकर ट्रक ड्राइवर की छाती पर टिका दिया और उससे पैसों की मांग करने लगा। इनकार करने पर बदमाशों ने ड्राइवर की जेब से जबरन पैसे निकाल लिए। मोबाइल लूटने की कोशिश कर रहे बदमाशों ने ट्रक में रखे टूल से ट्रक ड्राइवर की पिटाई की और मौके से फरार हो गए।

गुड़ाखू बेचने के विवाद पर पेंचकस से हमला

रायपुर। धरसींवा थाने में एक ट्रक ड्राइवर ने एक किराना कारोबारी के खिलाफ गुड़ाखू बेचने के विवाद पर पेंचकस से हमला कर घायल करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक संतोष कुर्रे ने प्रहलाद वर्मा के खिलाफ हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। संतोष ने पुलिस को बताया कि गिरोद में किराना दुकान संचालित करने वाले प्रहलाद की दुकान पर वह गुड़ाखू खरीदने गया। गुड़ाखू की कीमत 40 रुपए बताने पर संतोष ने दुकानदार को अन्य दुकानों में गुड़ाखू 35 रुपए में मिलने की बात कही। इससे नाराज होकर प्रहलाद ने संतोष के गाल पर पेंचकस से हमला कर घायल कर दिया।

दोपहिया चोरी का आरोपी एमपी से गिरफ्तार

रायपुर। उरला पुलिस ने दोपहिया चोरी मामले के एक आरोपी को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की दोपहिया जब्त की है। पुलिस के मुताबिक ओंकार सचदेव की रिपोर्ट पर उसका ई-स्कूटर चोरी करने के आरोप में मध्यप्रदेश, बालाघाट निवासी राहुल राणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान सीसीटीवी फूटेज के माध्यम से की है।

हाईवा की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत

रायपुर। माना थाना क्षेत्र में हाईवा की चपेट में आने से मोपेड चला रहे एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक हाईवा सीजी-04 पीई-8069 की चपेट में आने से हासानंद नेचवानी की मौत हुई है। हासानंद शुक्रवार देर रात अपनी मोपेड से जा रहा था, इसी दौरान डूमरतराई के पास हाईवा के ड्राइवर ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए हासानंद को अपनी चपेट में ले लिया। हाईवा की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पांच नए जिलों में जिला अस्पताल, सीएमएचओ-सिविल सर्जन के दफ्तर भी बनेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निर्माण संबंधी कार्यों में तेजी लगाने अफसरों को निर्देश

राज्य में गठित किए गए पांच नए जिलों के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधा दिलाने के लिए जिला अस्पताल का निर्माण कराया जाएगा। जिला अस्पताल के साथ वहां सीएमओ और सिविल सर्जन के कार्यालय भी बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवा के विस्तार के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने अफसरों को काम में तेजी लाने का निर्देश भी दिया है।

हरिभूमि फॉलोअप

पिछले दिनों स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अफसरों की मैराथन बैठक लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न निर्देश दिए थे। इस दौरान गठित नए जिले मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने जिला अस्पताल बनाने का काम शुरू करने का निर्देश दिया है। इन जिलों में सौ-सौ बेड का जिला अस्पताल बनाने के लिए स्थल चयन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

अस्पताल भवन के साथ सीएमएचओ और सिविल सर्जन के कार्यालय के निर्माण की योजना को भी पूरा किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक अस्पताल बनाने के लिए पूर्व में प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है और फंड की व्यवस्था अनुपूरक बजट में की जाएगी। इसके अलावा जशपुर जिले में सिविल अस्पताल बनाने की योजना है, जिस पर भी स्वास्थ्य मंत्री ने अफसरों से जानकारी ली है।

सेटअप भी स्वीकृत होगा

प्रस्तावित जिला अस्पतालों में चिकित्सकीय कार्य के लिए सेटअप भी तैयार करने का काम आने वाले दिनों में शुरू किया जाएगा। चिकित्सकों सहित अन्य पदों को हरी झंडी मिलने के बाद भर्ती भी शुरू की जाएगी। नए जिलों के अलावा पुराने जिलों में भी लंबित भर्ती की प्रक्रिया पूरी करने की हिदायत दी जा चुकी है।

पूरी की जा रही प्रक्रिया

नए जिलों में अस्पताल के साथ सीएमओ और सिविल सर्जन के कार्यालय बनाने की योजना है। इसके लिए विभागीय स्तर पर प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

- डॉ. डीके तुर्रे, उपसंचालक, स्वास्थ्य विभाग

चार नए मेडिकल कालेज भी

अगले साल खुलने वाले चार नए मेडिकल कॉलेज कबीरधाम, जांजगीर-चांपा, मनेंद्रगढ़ और गौदम के लिए स्वीकृत राशि और उससे संबंधित कार्यों के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सा शिक्षा से संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली थी। चारों कॉलेजों की शुरुआत पचास-पचास सीटों के साथ की जानी है, इसके लिए शासन द्वारा 12 सौ करोड़ की राशि भी स्वीकृत की जा चुकी है।

शहर के बीएसयूपी कॉलोनियों में रहने वालों ने अटकाया भुगतान, इसलिए ऐसा हाल

बीएसयूपी कॉलोनियों में मेंटेनेंस नहीं, गंदगी और अव्यवस्था के बीच फंसे 16 हजार परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बरसात से पहले बीएसयूपी कॉलोनियों में मेंटेनेंस नहीं कराया गया है। इससे गंदगी व असुविधाओं के बीच 16 हजार से ज्यादा परिवार फंसे हुए हैं। इनको राहत देने के लिए नगर निगम व जोन के जिम्मेदारों ने कोई पहल नहीं की है। इससे कॉलोनियों की बिल्डिंग के प्लास्टर उखड़ने लगे हैं और सीवरेज लाइन की सफाई नहीं होने से मिट्टी तथा कचरा जाम है। यह स्थिति इसलिए बनी है, क्योंकि कॉलोनियों में रहने वाले परिवारों ने अलॉटमेंट के बाद किस्तों का भुगतान नहीं किया है। इसके चलते 12 से ज्यादा कॉलोनियों में अव्यवस्था की स्थिति है।

हरिभूमि सरोकार

शहर की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले 30 हजार से ज्यादा परिवारों में से नगर निगम ने अभी तक 16 हजार से ज्यादा परिवारों को अलग-अलग वार्ड व जोन क्षेत्र में बनवाई गई बीएसयूपी कॉलोनियों में निगम ने विस्थापित किया। झुग्गी से कॉलोनियों में शिफ्टिंग सिर्फ 2 हजार रुपए जमा लेने के बाद किया गया। इसके बाद लोगों ने बकाया राशि को 10 साल में भी जमा नहीं की है। इससे कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को जरूरी सुविधाएं भी नहीं मिल पाईं। बीएसयूपी में मेंटेनेंस के लिए गाइडलाइन के तहत आगे प्रक्रिया भी नहीं हुई। बरसात के लिहाज से भी कॉलोनियों में रहने वाले लोगों की सुध नहीं ली गई। इसका खुलासा भाठागांव के 40 ब्लॉक में बसाए गए परिवारों का जायजा लेने पर हुआ। इस कॉलोनी में पानी निकासी के लिए बनाई गई व्यवस्था फेल है। प्लास्टर उखड़ रहे व स्ट्रीट लाइटें बंद हैं। पेयजल भी लोगों को सार्वजनिक नल के भरोसे मिलता है।

यहां बनवाई गईं कॉलोनियां

भाठागांव, मठपुरैना, कचना, सड्डू, अमलीडीह, दलदल सिवनी, कांठाडीह, कबीर नगर, कोटा, आमानाका, सरोना में बनवाई गई बीएसयूपी कॉलोनियों में 16 हजार से ज्यादा परिवारों को बसाया गया। इसके बाद बुनियादी सुविधाओं की बहाली के लिए किसी प्रकार का प्रयास नहीं हो पाया। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि जिन लोगों को मकान अलॉट किया गया, उन्होंने शर्तों का पालन करते हुए तय राशि जमा करने में भी विलंब किया। इससे निगम व जोन के जिम्मेदारों ने वहां रहने वाले परिवारों की सुध नही ली। यहां बरसात से पहले भी मेंटेनेंस नहीं हुआ।

एजेंसी से कराएंगे सुधार

बीएसयूपी कॉलोनियों में जिन लोगों को मकान दिया गया, उनमें से ज्यादातर परिवारों ने एक किस्त देने के बाद भुगतान नहीं किया है। जो जरूरी काम जोन से कराया जा सकता है, वही संभव हुआ। अब एजेंसी से सुधार कराने दिशा-निर्देश मिला है।

- राजेश शर्मा, अधीक्षण अभियंता, नगनि रायपुर

इस तरह की समस्या हर कॉलोनी में

भाठागांव बीएसयूपी के हर ब्लॉक में बरसात के दिनों में सीपेज की समस्या रहती है। इसके अलावा पानी निकासी के लिए बनाई गई नालियों की सफाई नहीं होने से नामोनिशान खत्म है। लोगों ने बताया कि तेज बारिश होने पर पानी निकासी बड़ी समस्या बनती है। कॉलोनियों में स्ट्रीट लाइट, सुरक्षा के लिए बाउंड्री, नियमित सफाई नहीं कराई जा रही है। इससे हर ब्लॉक और कॉलोनी में कचरे का ढेर है। सैप्टिक टैंक की सफाई व मेंटेनेंस नहीं होने से बरसात में बड़ी समस्या का रूप लेते हैं, शिकायत करने पर भी जिम्मेदार सुधार नहीं कराते हैं।

इन शर्तों पर आवंटन से ...

निगम सूत्रों ने बताया कि झुग्गी बस्तियों में रहने वाले जिन परिवारों को विस्थापन के तहत कॉलोनियों में मकान का आवंटन किया गया। उनको प्रति फ्लैट के 20 हजार रुपए देने था। इसके अलावा बिजली व नल कनेक्शन के लिए उन्हें अलग से तय राशि देने का प्रावधान किया गया। तब ज्यादातर परिवारों ने 2-2 हजार रुपए देने के बाद मकान में रहना शुरू किया, लेकिन बकाया 18 हजार का भुगतान नहीं किया। इसके चलते करोड़ों का भुगतान विगत 10 साल से फंसा है। इस वजह से निगम के जिम्मेदारों ने सुविधा देने की मुहिम अटकाई।

जैतखंब को क्षति पहुंचाने के मामले की होगी न्यायिक जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बलौदाबाजार जिले के महकोनी गांव में पिछले माह अमर गुफा का गेट तोड़ने और जैतखंब क्षतिग्रस्त करने के मामले में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने न्यायिक जांच कराए जाने की घोषणा की है।

सतनामी समाज द्वारा 10 जून को प्रदर्शन की चेतावनी दी गई थी, उसके पहले ही जांच का निर्णय लिया गया है। महकोनी गांव में सतनामी समाज का आस्था स्थल है, जिसे अमर गुफा कहा जाता है। 17 मई की सुबह पुजारी ने चौकी गिरौधपुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्ति ने लोहे का छोटा गेट तोड़ दिया है तथा जैतखंब को नुकसान पहुंचाया है। 19 मई को बलौदाबाजार भाटापारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में तीनों आरोपियों ने घटना कारित करना स्वीकार किया।

न्यायिक जांच की मांग

मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन सतनामी समाज की ओर से इस मामले में न्यायिक जांच की मांग की गई। सतनामी समाज की ओर से 10 जून को कलेक्टर-एसपी के घेराव की तैयारी की गई थी।

- गृहमंत्री विजय शर्मा ने की घोषणा
- सतनामी समाज ने की थी मांग, आज थी प्रदर्शन की तैयारी

गृहमंत्री बोले- जज करेंगे जांच

गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस मसले को लेकर घोषणा की है कि पूरे मामले की न्यायिक जांच की जाएगी। मामले को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश थे कि सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने वाली इस घटना की न्यायिक जांच कराई जाए। यह न्यायिक जांच रिटायर जज अथवा कार्यरत जज से कराई जाएगी।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की एआई तकनीक की मदद से सेटेलाइट के जरिए होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के जंगलों की निगरानी हाईटेक तरीके से करने की तैयारी चल रही है। इसी महीने टाइगर रिजर्व का रिमोट सेंसिंग एवं ड्रोन मैपिंग पोर्टल लांच करने की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। जंगल की निगरानी हाईटेक तरीके से करने के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग तथा एआई तकनीक की मदद ली जा रही है। नई तकनीक से जंगल की इमेज क्लीयर आएगी। गूगल मैप की अन्य इमेज की तरह एआई तकनीक से तैयार इमेज धुंधली नहीं होगी।

उदंती-सीतानदी के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के मुताबिक क्लाउड कंप्यूटिंग एवं एआई आधारित गूगल अर्थ इंजन के माध्यम से टाइगर कॉरिडोर में वन एवं जल आवरण बदलाव, ड्रोन मैपिंग पोर्टल से आमजन सूक्ष्मता से देख सकेंगे। साथ ही चार सौ किमी. लंबे इंद्रावती, सीतानदी-उदंती, सुनाबेड़ा टाइगर कॉरिडोर में वर्ष 2010-2023 तक वन एवं जल आवरण में आए परिवर्तन को लोग देख सकेंगे। अफसर के अनुसार कॉरिडोर में डिस्टर्बेंस की वजह से महाराष्ट्र के अतिरिक्त बाघों (जो नई टेरिटरी की खोज में विचरण करते हैं) उनकी छत्तीसगढ़ और ओडिशा में आवाजाही लगभग बंद हो गई है। टाइगर कॉरिडोर में आए नकारात्मक वन एवं जल आवरण बदलाव वाले क्षेत्रों को चिन्हांकित कर अवैध कटाई रोकने के साथ शिकार की घटना रोकने ऑपरेशन चलाने में मदद मिलेगी।

ओडिशा के दस किमी. के जंगल निगरानी में

उदंती-टाइगर रिजर्व का एरिया, जो ओडिशा के एक सौ 25 किमी. की सीमा से सटा है। नए सिस्टम से ओडिशा के 10 किमी. अंदर तक वन आवरण परिवर्तन को देख सकेंगे, जो अतिक्रमण और अवैध कटाई के दृष्टिकोण से अति संवेदनशील है। इसके अतिरिक्त हर पांच दिन में सेटेलाइट डेटा के माध्यम से वन, जल आवरण की तुलना कर सकेंगे। वन विभाग के इस पोर्टल का उपयोग जल संसाधन विभाग भी कर सकता है।

- जंगल में कब्जे से लेकर अवैध कटाई की जानकारी एक क्लिक में मिल सकेगी
- इसी महीने ड्रोन मैपिंग पोर्टल लांच करने की तैयारी

पांच सेमी. तक जूम कर देख सकेंगे : गूगल अर्थ में किसी भी क्षेत्र की इमेज देखने ज्यादा जूम करने पर इमेज धुंधली होने लगती है। ड्रोन पोर्टल से तैयार इमेज को पांच सेंटीमीटर तक जूम कर 50 से ढाई सौ हेक्टेयर क्षेत्र को आसानी से लोग देख सकेंगे। इससे वृक्षारोपण के अलावा पौधों का विकास देखने तथा मापने में मदद मिलेगी।

ऐसे की जाती है ड्रोन मैपिंग

गौरतलब है कि ड्रोन मैपिंग पोर्टल, अर्थ इंजन आधारित रिमोट सेंसिंग पोर्टल संभवतः देशभर में छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा प्रथम पहल है। ड्रोन मैपिंग करने के लिए इस तरह के उपाय किए जाते हैं..

- जिस क्षेत्र की मैपिंग करनी होती है, उस क्षेत्र का फ्लाइट प्लान (केएमएल फाइल) बनाकर ड्रोन में फीड किया जाता है
- फ्लाइट प्लान के अनुसार ड्रोन उस क्षेत्र के ऊपर से गुजरते हुए हजारों जिओ-टैग्ड (जीपीएस सहित) फोटो खींचता है
- वर्क स्टेशन एवं क्लाउड कंप्यूटिंग की मदद से इन हजारों फोटो को प्रोसेसिंग कर स्टिच कर एक बड़ा मानचित्र तैयार किया जाता है, जिसे ओर्थोमोसाइक फोटो कहते है। इस प्रोसेसिंग कार्य में एक से दो दिन लग जाते हैं और इसके लिए अत्याधुनिक कंप्यूटर, वर्क स्टेशन आवश्यक होते हैं। इसके बाद मानचित्र को ड्रोन पोर्टल पर अपलोड किया जाता है।

प्रदेश में बिजली उत्पादन का पॉवर 3 से 13 हजार मेगावाट करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में बिजली का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी बड़ा काम कर रही है। अभी अपना उत्पादन तीन हजार मेगावाट के ही आसपास है, इसे आने वाले समय में 13 हजार मेगावाट करने की कवायद प्रारंभ हो गई है। प्रदेश में बिजली की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी भी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार योजनाएं बना रही है। प्रदेश में पहली बार 660 मेगावाट के तीन नए संयंत्र लगाने की तैयारी है।

इसमें से एक संयंत्र मड़वा में और दो कोरबा में लगेंगे। इसी के साथ पांच स्थानों पर पानी से 7700 मेगावाट बिजली बनाने के लिए प्लांट लगेंगे। कोरबा में 1340 मेगावाट का नया संयंत्र लगाने की मंजूरी प्रदेश सरकार दे चुकी है। इसे लेकर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी लेने के लिए तेजी से काम चल रहा है। अगले माह मंजूरी मिलने की संभावना है। मड़वा के संयंत्र के लिए अब डीपीआर बनाने की तैयारी है। प्रदेश सरकार इस समय बिजली उत्पादन की क्षमता को विशाल बनाने की दिशा में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के कोरबा पश्चिम में 660 मेगावाट के दो संयंत्र लगेंगे। इसके पहले सबसे बड़े दो संयंत्र 500-500 मेगावाट के मड़वा में लगे थे। कोरबा पश्चिम में पॉवर कंपनी के पास अपनी जमीन भी है। यहां 60 साल पुराने 50 मेगावाट के चार और 120 के दो संयंत्र प्रदूषण के कारण बंद हो चुके हैं। अब उसी स्थान पर नए संयंत्र लगाने की तैयारी है। इसे लेकर उत्पादन कंपनी तैयारी कर रही है।

- 660 मेगावाट के तीन संयंत्रों के साथ पानी से भी 7700 मेगावाट बिजली उत्पादन की योजना

अब नए संयंत्र की तैयारी

जिस तरह से तेजी से प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हो रहा है, उससे आने वाले समय में बिजली की बहुत ज्यादा जरूरत होगी। आज उपभोक्ताओं की संख्या 65 लाख से ज्यादा हो गई है। पहले बिजली की खपत रोज तीन हजार मेगावाट से भी कम रहती थी, आज खपत छह हजार से ज्यादा हो रही है। प्रदेश सरकार ने करीब दो दशक की खपत को देखते हुए ही योजना बनाकर कोरबा में 660 मेगावाट के दो संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। इसी के साथ अब पॉवर कंपनी मड़वा में भी एक 660 मेगावाट का संयंत्र लगाने के लिए डीपीआर बनाने की तैयारी है। इसके बाद प्रदेश सरकार से मंजूरी लेकर इस पर काम किया जाएगा।

पानी से पैदा होगी 7700 मेगावाट बिजली

पानी से बिजली बनाने के लिए पांच स्थानों का चयन किया गया है। इसमें हसदेव बांगो कोरबा और सिकासेर बांध गरियाबंद में 12-12 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। जशपुर के डांगरी में 14 सौ मेगावाट और रौनी में 21 सौ मेगावाट का प्लांट लगाया जाएगा। इसी के साथ बलरामपुर के कोटपल्ली में 18 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। इन स्थानों पर पंप हाइड्रो योजना के तहत 7700 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

अभी 2980 मेगावाट उत्पादन क्षमता

अलग राज्य बनने के बाद 2000 में राज्य में बिजली के मामले में ज्यादा सुविधाएं नहीं थीं। उत्पादन के मामले में यहां पर महज 1360 मेगावाट का ही उत्पादन होता था, लेकिन आज की स्थिति में यह उत्पादन 2980 मेगावाट हो गया है। मड़वा में जो 500 मेगावाट की दो यूनिट लगी है, उस यूनिट में जब करीब आठ साल पहले उत्पादन प्रारंभ हुआ था, तभी से उसकी बिजली तेलंगाना को देने का अनुबंध हो गया था। ऐसा इसलिए संभव हो सका, क्योंकि उत्पादन के मामले में राज्य सरप्लस हो गया था। आज की स्थिति में जहां अपना उत्पादन 2980 मेगावाट है, वहीं सेंट्रल सेक्टर से करीब साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर मिलता है। ऐसे में राज्य में बिजली छह हजार मेगावाट से ज्यादा हो जाती है।

गांजे के सौदागर अब नाबालिगों को बना रहे सप्लायर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे पुलिस से बचने गांजे के सौदागर तस्करी के लिए अब हर महीने अपने काम करने का तरीका बदल रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी उन्हें गांजा दूसरे राज्यों तक पहुंचाने में सफलता नहीं मिल रही है। आरपीएफ टीम मुखबिर की मदद से लगातार फिल्मी अंदाज में तस्करों को पकड़कर उनकी सभी योजनाओं को विफल कर रही है।

खास खबर

जानकारी के मुताबिक अब तस्कर आरपीएफ और जीआरपी की आंखों में धूल झोंकने नया पैंतरा अपना रही है। ट्रेनों के जरिए गांजा तस्करी करने नाबालिग अपचारी बालक को सप्लायर बनाया जा रहा है। तस्करी के मामले में बीते 6 महीने में नाबालिगों की संख्या बढ़ी है। आरपीएफ ने बताया कि गांजे के सौदागर अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को सप्लायर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रदेश व दूसरे राज्यों के मुखबिर के जरिए ऐसे नाबालिगों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

ओडिशा से खरीदकर गैरतगंज जाने की तैयारी : पूछताछ में दोनों अपचारी बालकों ने बताया कि बरामद गांजा हरिशंकर ओडिशा से खरीदकर रेलमार्ग से रायपुर रेलवे स्टेशन आने और रेलमार्ग से सागर के रास्ते गैरतगंज जाने के लिए गाड़ी का इंतजार कर रहे थे कि पकड़े गए।

लगातार मिल रही सफलता

ऑपरेशन नारकोस के तहत मुखबिर सूचना के आधार पर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-5 से दो अपचारी बालकों को पकड़ने में सफलता मिली है। तस्करों के हर नए पैंतरे पर हमारी नजर है, इसलिए लगातार आरपीएफ को सफलता मिल रही है।

- एस. दत्ता, आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक

12 किलो गांजे के साथ दो अपचारी बालक गिरफ्तार

प्रभारी निरीक्षक एस. दत्ता के नेतृत्व में आरपीएफ ने रविवार को 2 अपचारी बालकों को 12 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया, जिसकी कीमत 2 लाख 40 हजार है। ऑपरेशन नारकोस के तहत मुखबिर सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन रायपुर के प्लेटफार्म नंबर 5 में दुर्ग छोर के शौचालय के पास मुखबिर के बताए हुलिए, पहनावे एवं सामान के आधार पर दो संदिग्ध लड़कों को दोपहर में घेराबंदी कर पकड़ा। दोनों के पास एक नीले रंग व बैंगनी रंग के लगेज बैग की जांच करने पर मादक पदार्थ गांजा मिला।

धर्मेंद्र को पीएचडी

रायपुर। रविवि ने धर्मेंद्र कनोजे को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय मध्यम आकार के उद्योग में श्रम कल्याण कार्यक्रम का मूल्यांकन (दुर्ग जिले के विशेष संदर्भ में) था। उन्होंने अपना शोधकार्य डॉ. केएन दिनेश और डॉ. सुचित्रा शर्मा के मार्गदर्शन में किया।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 10 जून 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

एनआईएफडी ग्लोबल द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत रविवार को फैशन शो रखा गया, जिसमें बच्चों सहित महिलाओं एवं पुरूषों के लिए छात्रों द्वारा परिधान पेश किए गए। एक निजी होटल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान दर्शकों की भीड़ देखने को मिली।

एजूकेशन अपडेट

पहली बार पांच राउंड में होगी जोसा ऑनलाइन काउंसिलिंग

रायपुर। आईआईटी मद्रास द्वारा कराई गई देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस के परिणाम जारी होने के अगले दिन 10 जून से आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी व जीएफटीआई में प्रवेश के लिए जोसा काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इस वर्ष जोसा काउंसिलिंग द्वारा 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपल आईटी एवं 40 जीएफटीआई में प्रवेश दिया जाएगा। जोसा काउंसलिंग का सम्पूर्ण शेड्यूल जारी कर दिया गया है। संपूर्ण काउंसिलिंग प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इस वर्ष आईआईटी, एनआईटी व ट्रिपल आईटी में प्रवेश के लिए होने वाली जोसा काउंसिलिंग प्रक्रिया 10 जून से 26 जुलाई के मध्य पांच राउंड में संपन्न होगी। पहले यह काउंसिलिंग छह राउंड में होती थी। इस वर्ष पहली बार यह पांच राउंड में होने जा रही है। विद्यार्थी 10 जून को शाम 5 बजे से जोसा काउंसिलिंग वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन एवं कॉलेज च्वाइस फिलिंग कर सकेंगे। जिसकी अंतिम तिथि 18 जून को शाम 5 बजे तक है। 20 जून को पहले राउंड के सीट का आवंटन होगा। जिन विद्यार्थियों को पहले राउंड में सीट का आवंटन होगा, उन्हें ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान सीट असेपटेंस फीस जमा कर डॉक्यूमेंट्स अपलोड कर 24 जून तक अपनी सीट कन्फर्म करनी होगी। वहीं दूसरे राउंड का सीट आवंटन 27 जून, तीसरे का 4 जुलाई, चौथे का 10 जुलाई को होगा। अंतिम यानी पाचवें राउंड का सीट आवंटन 17 जुलाई को होगा। इस प्रकार सम्पूर्ण काउंसिलिंग प्रक्रिया पांच राउंड में संपन्न होगी। जिसकी फाइनल रिपोर्टिंग 22 जुलाई तक करनी होगी।

600 से अधिक विकल्प

विद्यार्थियों को जोसा काउंसिलिंग में 121 संस्थानों के 600 से अधिक प्रोग्रामों की च्वाइस फिलिंग का अवसर एक बार ही दिया गया है, अतः विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा कॉलेजों के विकल्प को अपनी प्राथमिकता के घटते क्रम में भर सकते हैं। विद्यार्थी गत वर्षों की कॉलेजों की ओपनिंग एवं क्लोजिंग रैंकों को देखते हुए कॉलेजों को चुनने के ट्रेंड से अनुमान लगा सकते हैं। विद्यार्थी अपनी रैंक के अनुसार गत वर्षों की क्लोजिंग रैंक से नीचे की रैंक वाले कॉलेज ब्रांचों को भी अपनी रुचि के अनुसार प्राथमिकता सूची के क्रम में शामिल करें। जोसा काउंसिलिंग में कॉलेजों को भरने से पूर्व अपनी प्राथमिकता के कॉलेजों की सूची कागज पर बनाकर उसका आंकलन कर ही ऑनलाइन भरें ताकि गलती होने की संभावना ना रहे।

सिटी इवेंट

प्राणियों से जोड़ने जंगल सफारी में छात्रों का अनूठा इंटर्नशिप

रायपुर। जंगल सफारी में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान के छात्रों के लिए 15 दिवसीय इंटर्नशिप प्रोग्राम रखा गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को जंगल सफारी के विभिन्न नियोजनात्मक पहलुओं से परिचित कराना और उन्हें वन और वन्यजीव संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक बनाना था। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के पुरुषोत्तम सिंह ठाकुर ने छात्रों को भविष्य की सफल योजनाओं के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, किसी भी विषयवस्तु को सीखने की जिज्ञासा, चाह और उसके लिये की गई मेहनत ही आपको सफलता की ओर ले जाती है। इसके लिये आत्मविश्वास और कष्ट जरुरी है, यही आपको आपकी मंजिल तक पहुंचाएगा।

पर्यावरण को देखें नए दृष्टिकोण से

जंगल सफारी के संचालक धम्मशील गणवीर ने छात्रों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संवर्धन, वन्यजीव संरक्षण, रिसर्च और कंजर्वेशन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा यह अनुभव छात्रों को पर्यावरण को देखने का नया दृष्टिकोण तो देगा साथ ही वन्यजीव के प्रति सहानुभूति की भावना को भी बढ़ाएगा। इस तरह के इंटर्नशिप जैसे कार्यक्रम जंगल सफारी के बेहतर प्रबंधन में भी सहायक होते हैं। इससे सफारी प्रबंधन और आगंतुकों के बेहतर अनुभव के लिए नई दिशा प्राप्त होती है। साथ ही युवा पीढ़ी को वन संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूक करने में भी मददगार साबित होते हैं।

वन्यजीव पुनर्वास का ज्ञान आवश्यक

जंगल सफारी के पशु चिकित्सालय के डॉ. राकेश वर्मा ने छात्रों को मार्गदर्शन करते हुए जीवन में अनुशासन के साथ समय की सूचकता के महत्व पर जोर दिया। 15 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को जंगल सफारी प्रबंधन, वन्यजीव पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण, इको-टूरिज्म, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम और नागरिकों में संरक्षण के प्रति जागरूकता निर्माण जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही सत्र के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन किया गया। सीनियर प्रोग्राम मैनेजर डॉ. मंजीत कौर बल ने छात्रों को नागरिक विज्ञान से संबंधित बारिकियां, जरुरत और महत्व बताए। छात्रों ने जंगल सफारी के आसपास के गावों में अभ्यास दौरा किया और नागरिकों से विविध मुद्दों पर चर्चा कर सर्वे द्वारा जानकारी प्राप्त की। सूत्रसंचालन बीएफओ चंद्रमणि साहू ने किया।

फैशन इंस्टिट्यूट के छात्रों ने वार्षिकोत्सव में पेश किए अपने कलेक्शन

कपड़ों के करतन से तैयार किया डिजाइनर लहंगा फैशन स्टेट्स में लगाया इकोफ्रेंडली बैग का तड़का

आकर्षण का केंद्र 'नेचर एंड यू' थीम

फैशन शो में आकर्षण का केंद्र 'नेचर एंड यू'थीम रहा। इसमें छात्रों ने इको फ्रेंडली बैग के साथ वॉक किया। इंडियन एवं वेस्टर्न लुक के साथ इको फ्रेंडली बैग को डिजाइन किया गया, जिसमें ड्रेस के कलर अनुसार बैग के डिजाइन देखने को मिले। नन्हे कलाकारों का वॉक देख दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। बच्चों ने 'टाइनी गाला और द सीक्रेट गार्ड' थीम पर डिजाइनर ड्रेस केरी किए। उनके परिधान में रंग-बिरंगे फूलों के डिजाइन देखने को मिले।

रायपुर। 'नियो क्रासिकल, टाइनी गाला, नेचर एंड यू, द सीक्रेट गार्डन, ब्रो कोड, डायनामिक रेडियंस' की थीम पर छात्रों ने डिजाइन तैयार किया। फैशन डिजाइन स्ट्रीम से श्रेया गोयल,इंटीरियर डिजाइन स्ट्रीम से प्रियंका अग्रवाल, प्रार्थना जैन और हर्षित अग्रवाल को 'उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

15 से 20 दिनों में तैयार किए डिजाइनर ड्रेस

प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर आईआईए सीजी चैप्टर के अध्यक्ष नवीन शर्मा, सीओए नेशनल कमेटी के सदस्य डॉ. एआर, रुचि सेठ, इंटीरियर डिजाइनर हितेश प्रजापति उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के दौरान प्रत्येक वर्ष के विद्यार्थियों को अलग थीम पर ड्रैस तैयार करने को कहा गया, जिसे 15 से 20 दिनों में तैयार किया गया।

विरिया कलेक्शन और नेक्सा शार्ट गाउन

वार्षिक उत्सव के पहले दिन शनिवार को फैशन और इंटीरियर डिजाइन के छात्रों खुद के बनाए गए डिजाइन की प्रदर्शनी लगाई गई। इस दौरान विरिया कलेक्शन और नेक्सा शार्ट गाउन चर्चा में रहा। छात्रों द्वारा तैयार इन डिजाइनर ड्रैस का चयन न्यूयार्क फैशन वीक में किया गया था। विरिया कलेक्शन को लगभग 10 छात्रों के सहयोग से तैयार किया गया, जिसकी डिजाइनर नेहा रामटेके है। यह एक शार्ट वेस्टर्न ड्रेस है, जिसका जैकेट लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। फैशन डिजाइनिंग के अंतिम वर्ष के छात्र भावेश ने इंडियन लुक के साथ दुल्हन के लिए डिजाइनर लहंगा तैयार किया। इसे तैयार करने में वेस्ट कपड़ों के कतरन का प्रयोग किया गया, जिसे एक माह में डिजाइन किया गया।

तस्वीरों में क्रिकेट का खुमार...

रायपुर। पूरा देश इन दिनों क्रिकेट के रंग में रंगा हुआ है। इसी कड़ी में महाकोशल कला परिषद द्वारा कल्याण प्रसाद शर्मा स्मृति प्रदर्शनी रखी गई है। ललित कला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में रखी गई इस कला प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य डॉ.केशव मौर्या ने किया। जलरंग, तैल रंग, चारकोल, स्याही, पैन, एक्रिलिक, मिक्स, कंप्यूटर ग्राफिक, वुडकट, इंचिग, लिथो आदि के माध्यम से तस्वीरों का निर्माण किया गया है। तस्वीरों में टी-20 विश्व कप में भारत की विजय यात्रा सहित महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा व विराट कोहलीके पोट्रेट, विश्व कप हाथ में लिए हुए भारतीय टीम, मैच देखते दर्शक, पाकिस्तान को हराती भारतीय टीम सहित अन्य यादगार पलों को संजोया गया है। इस कला प्रदर्शनी में वरिष्ठ कलाकारों सहित युवा कलाकारों व महिला तथा बाल कलाकारों ने भाग लिया है। आदित्य, माईनक भट्टाचार्य (बडौदा), धनंजय पंवार (लखनऊ), आदित्य चौरसिया, अंकिता यादव, पवित्रा नत्थानी सहित कलाकारों ने अपनी रचनाएं प्रेषित की हैं।

पहले सीखा फिर अनुपयोगी चीजों से बनाई सजावटी वस्तुएं

रायपुर। आम्रपाली स्थित दादा गुरुदेव श्री शांति विजय सुरीश्वर जैन मंदिर में आयोजित समर कैंप का समापन रविवार को हुआ। छः दिवसीय कार्यक्रम में क्ले आर्ट, ओरिगामी आर्ट, डांस, गाना, बेस्ट ऑफ वेस्ट एवं पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बच्चों ने पहले अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी चीजें बनाना सीखा। फिर कई तरह की सजावटी चीजें उन्होंने तैयार की। साथ ही उपस्थित बच्चों को धार्मिक शिक्षा की कक्षाएं भी संचालित की गई। शिविर के अंतिम दिन बच्चों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समर कैंप में रोजाना विभिन्न खेल के माध्यम से बच्चों को एकता एवं समाजिक शिक्षा की जानकारी दी गई। शिविर का आयोजन वासुपूज्य मनोहर महिला मंडल द्वारा किया गया। मंडल द्वारा प्रत्येक वर्ष निःशुल्क रुप से स्कूली बच्चों के लिए कैंप का आयोजन किया जाता है। छःदिवसीय शिविर में 90 से अधिक स्कूली बच्चे शामिल रहे। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षा सोनल बरडिया, सचिव पुष्पा कोठारी, कोषाध्यक्ष अंजू कोचर, आभा लूनिया, नेहा बोथरा, आरती गोलछा, नेहा पारख, श्रुति गोलछा, ज्योति कोचर एवं अन्य सदस्यों ने मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन किया गया।

जेईई एडवांस : रिदम को मिले 360 में 337 अंक, अन्य छात्रों का भी बेहतर प्रदर्शन

जेईई एडवांस के टॉप-10 में इस बार छत्तीसगढ़ भी रायपुर के रिदम को चौथे स्थान, भाग्यांश को 86 रैंक

कार्नर न्यूज

जेईई एडवांस के परीक्षा परिणामों की घोषणा रविवार दोपहर कर दी गई। मेंस क्वालीफाई करने के बाद जेईई एडवांस में शामिल हुए छात्रों को नतीजों का बेसब्री से इंतजार था। इस बाद राजधानी सहित पूरे प्रदेश के छात्रों का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

रायपुर। जेईई एडवांस में रायपुर के रिदम देशभर में चौथे स्थान पर रहे हैं। यह संभवतः पहली बार है, जब जेईई एडवांस में छग के किसी छात्र ने अपनी जगह बनाई है। रिदम को परीक्षा में 360 में से 337 मार्क्स मिले हैं। रिदम ने बताया की उन्हें कोडिंग में

काफी रुचि है और वह इसी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। वह आईआईटी बॉम्बे से कंप्यूटर साइंस में बीटेक की पढ़ाई करना चाहते हैं। कलेक्टर डॉ.गौरव सिंह ने रायपुर के रिदम केडिया को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अभी रिदम कोटा में हैं, रायपुर आने पर जिला प्रशासन द्वारा उनका सम्मान किया जाएगा।

कैटेगिरी रैंक सातवां

एलन कॅरियर इंस्टिट्यूट के एकेडमिक हेड कुणाल सिंह ने बताया, रायपुर के कई छात्रों ने इस बार अच्छा रैंक हासिल किया है। शीर्ष संस्थानों में उन्हें दाखिला मिल जाएगा। 86 ऑल इंडिया रैंक वाले भाग्यांश की ओबीसी कैटेगिरी में रैंक 7 रही है। इसके अलावा केशव कुमार रामूका ने एआईआर 510, पूर्वांश जैन ने एआईआर 2103, टिया मित्तल ने एआईआर 2462, अभिनव राठौड़ ने एआईआर 2759, कृष्णा अग्रवाल ने एआईआर 3608, कबीर डोडई ने एआईआर 4095 एवं वत्सल परमार ने एआईआर 4479 हासिल किया है।

डाउट क्लीयर करने पूछते रहें सवाल

रायपुर के भाग्यांश साहू को आल इंडिया रैंक 86 प्राप्त हुआ है। मध्यम परिवार के बेटे भाग्यांश ने इससे पहले जेईई मेन में भी छत्तीसगढ़ टॉप किया है। भाग्यांश ने बताया कि जेईई की तैयारी दसवीं के बाद से ही शुरू कर दी थी। पिता रेवन्यू विभाग मैं कार्यरत हैं और माता टीचिंग फील्ड से जुड़ी हुई हैं। पापा-मम्मी ने मेरी पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में कई समझौते किए। मेरी पढ़ाई ही उनकी प्राथमिकता रही। हमेशा मुझे मोटिवेट किया। कोचिंग सेंटर में समय-समय पर जो टेस्ट होते थे, उसे लेकर सीरियस रहता था, क्योंकि टेस्ट से ही आप खुद का एनालिसिस कर पाते हैं।

कम नंबर आने पर पैरेंट्स ने समझाया

भाग्यांश ने आगे बताया, यदि किसी टेस्ट में मार्क्स कम आते थे तो कोशिश रहती थी कि अगले टेस्ट में उन गलतियों को दोबारा नहीं दोहराऊं। कई बार टेस्ट में नंबर कम आते तो माता-पिता मुझे हिम्मत देते और अगली परीक्षा की तैयारी करने के लिए समझाते। एक स्टूडेंट को ज्यादा से ज्यादा जानने की इच्छा रखनी चाहिए और जब तक सवाल का हल समझ नहीं आ जाता तब तक पूछते रहना चाहिए। पूछने में शर्म नहीं करनी चाहिए। आईआईटी बॉम्बे की सीएस ब्रांच से बीटेक करना चाहता हूं। मैंने एलन से कोचिंग ली है। यहां के शिक्षकों का भी सहयोग मिला। इसके अलावा रोजाना 10 से 12 घंटे सेल्फ स्टडी करता था।

धर्म लाइव

आत्मा व परमात्मा का मिलन राजयोग शरीर को कष्ट देना आवश्यक नहीं

रायपुर। आत्मा का संबंध परमात्मा से जोड़ना ही राजयोग कहलाता है। चूंकि परमात्मा ही गुणों और शक्तियों का अविनाशी स्त्रोत है, अतः उनकी याद से हमें न सिर्फ सच्ची खुशी मिलती है वरन हमारे जीवन से रोग और शोक भी मिट जाते हैं। सभी योगों में श्रेष्ठ होने के कारण ही इसे राजयोग कहा जाता है। ये कहना है वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी का। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में आयोजित 'आओ खोलें खुशियों के द्वार' के अंतर्गत भारत के प्राचीन राजयोग विषय पर अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने आगे कहा कि गीता में वर्णित भारत का प्राचीन राजयोग सभी योगों में श्रेष्ठ है। योग का शाब्दिक अर्थ होता है जोड़ अथवा मिलन। इसका विपरीत शब्द है वियोग अर्थात बिछुड़ना। मन और बुद्धि से परमात्मा को याद करना ही सच्चा योग है।

प्रारंभ में एकाग्र नहीं होता है मन

उन्होंने कहा, राजयोग में शरीर को कष्ट नहीं देना है। आराम से बैठकर परमात्मा को याद करो। शुरू में मन एकाग्र नहीं होता है। मन में अनेक इधर-उधर के ख्याल आएंगे, लेकिन निराश होकर छोड़ नहीं देना है। पहले दो मिनट मेडिटेशन से शुरूआत करिए। धीरे-धीरे मन शांत होने लगेगा। आपके विचार कम होते जाएंगे और योग में बहुत अच्छा अनुभव करने लगेंगे। उन्होंने ने योग के लिए ब्रह्ममुहूर्त को सबसे उपयुक्त समय बतलाते हुए कहा, इस समय सभी लोग नींद में होते हैं इसलिए वायुमंडल एकदम शांत होता है। ऐसे समय परमात्मा को याद करने से कनेक्शन जल्दी जुट जाता है। राजयोग हमें परमात्मा के निकट ले जाता है। आज से ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी के सान्निध्य में एडवांस राजयोग शिविर प्रारंभ होगा।

राजधानी में देशभर से जुटे हृदय रोग विशेषज्ञ, साझा किए अनुभव

65 की उम्र में बीमार हुआ दिल तो ठीक करने ऑपरेशन जरूरी नहीं, नई तकनीक से पैर के रास्ते इलाज संभव

बदलते दौर में इलाज के लिए भी कई तरह की नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाने लगा है। कुछ साल पहले तक अगर किसी को 65 की उम्र में दिल की बीमारी होती थी, तो पूरा परिवार सहम जाता था। अब इस आयु वर्ग के लोगों को हृदय की बीमारी होने पर या ऑपरेशन की स्थिति में भी नई तकनीक के जरिए पैर के रास्ते इलाज किया जा सकता है। इसके लिए अस्पताल में ऑपरेशन के लिए भर्ती होने और फिर दो से तीन महीने रेस्ट करने की जरूरत भी नहीं होगी।

पैसा व समय दोनों बच रहा

डॉ. भट्टाचार्य ने यह अनुभव होटल मैरियट में कॉर्डियोलॉजिकल्स सोसायटी ऑफ इंडिया के छत्तीसगढ़ चेप्टर द्वारा सेंट्रल इंटरवैनशन की कड़ी में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में कही। अंतिम दिन सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक चले सत्र में उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन की जरूरत नहीं पड़ने से लोगों का पैसा व समय दोनों बच रहा है। इसके पहले सत्र में शनिवार शाम 5 से रात 9 बजे के बीच उन्होंने अपने अनुभव को साझा किए। इस दौरान कई विशेषज्ञों ने डॉ. भट्टाचार्य से सवाल करते हुए अपनी जिज्ञासा को भी शांत किया।

रायपुर। इतना ही नहीं ऑपरेशन करने से शरीर को होने वाले अन्य नुकसान से भी बचाया जा सकता है। यह जानकारी देते हुए कोलकाता से आए डॉ. देब दत्ता भट्टाचार्य ने हृदय रोग विशेषज्ञों को बताया कि नई तकनीक 65 या इससे अधिक उम्र वाले हृदय रोगियों के लिए ही कारगर है। इससे कम उम्र के लोगों का इलाज करने के लिए अभी रिसर्च किया जा रहा है।

करंट से ब्लड प्रेशर कंट्रोल

बेंगलुरू से आए डॉ. डीएस चड्ढा ने किडनी के इलाज की नई विधि के बारे में बताते हुए कहा कि किडनी की नसों को नई तकनीक के जरिए बिजली के करंट से दाग करके मरीज के ब्लड प्रेशर को कंट्रोल किया जा सकता है। इसके लिए किसी प्रकार का चिरा लगाने या ऑपरेशन करने की जरूरत नहीं पड़ती है। दवाई वाले बैलून की तरह ही इसका उपयोग किया जा सकता है। इसके पहले ऑपरेशन करने की स्थिति में लोगों को एक्सपर्ट मिलने के बाद भी कई दिनों तक बिस्तर पर बिताना पड़ता था। अब डाक्टर्स कुछ दिनों ही कोर्स पूरा करके छुट्टी देते हैं।

दिल के सुराख का 8 तरह से ऑपरेशन

डॉ.अनुपम जेना ने बताया कि महाधमनी में सूजन होने या फटने पर भी बिना छाती व पेट में चीरा लगाए ही पैर की नस में ग्राफटेंट लगाकर इलाज किया जा सकता है। चंड़ीगढ़ के डॉ. मनोज कुमार रोहित ने दिल के सुराख को लेकर बताया कि इसका इलाज बिना ऑपरेशन के 8 तरह से किया जा सकता है। इससे मरीज के शरीर को दूसरे तरह के नुकसान से बचा सकते हैं। इसके बाद रायपुर के डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने दिल से जुड़ी कई तकनीक साझा की। हृदय रोग तथा इसकी जटिलताओं के बारे में कार्यशाला में अपने अनुभव भी साझा किए।

भोपाल और नागपुर से भी आए विशेषज्ञ

भोपाल से डॉ.पंकज मनोरिया ने इंट्रा वैस्कुलर अल्ट्रासाउंड की बारीकियां बताई। नागपुर से आए डॉ. नितिन देशपांडे ने एंजियोप्लेस्टी के विभिन्न तरीकों के बारे में नए अपडेट से लोगों को जोड़ा। छत्तीसगढ़ के डॉ. निखिल मोतीरमानी, डॉ.प्रणय, डॉ.स्नेहिल, डॉ.मनोज ने भी अपने अनुभव को लेकर जानकारी दी। वहीं सोसायटी के नए पदाधिकारी डॉ. एसएस मोहंती प्रेसिडेंट, डॉ निखिल मोतीरमानी सेक्रेटरी पद संभाला। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के 50 कार्डियोलॉजिस्ट शामिल हुए। प्रोग्राम समापन से पहले गीत-संगीत का भी दौर चला।

सिटी लाइव

कवियों ने खोली हास्य पोटली उत्कृष्ट रचनाओं के लिए पुरस्कृत

रायपुर। अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती एवं लोकरंजनी लोक कलामंच के संयुक्त तत्वावधान में कवि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान-2024 कार्यक्रम का आयोजन शहर स्थित वृंदावन हाल में किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रुप में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल मौजूद रहे। अध्यक्षता ललिता मेहर ने की। कार्यक्रम के दौरान संस्कार भारती के अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, हेमंत महुलीकर, रिखी क्षत्रि , जागेश्वर मानसर, योगेंद्र चौबे, भोजराज धनगर, वृंदा तांबे, भवानी शंकर तिवारी, शैल सार्वा सहित अन्य को सम्मानित किया गया।

कविता क्यों लिखी जाए

साथ ही सभी कवियों ने कविता पाठ कर रविवार की शाम को काव्यमय कर दिया। पद्मश्री दुबे ने अपने हास्य अंदाज में 'टाइगर अभी जिंदा है और ये छत्तीसगढ़ की माटी है' विषय पर प्रस्तुति दी। कविता में छत्तीसगढ़ का गुणगान करते हुए कवि ने दर्शकों को खूब हंसाया। इस अवसर पर डॉ. चितरंजन कर ने 'कविता क्यों लिखी जाए', सुशील भोले ने 'कोंदा भैरा' और मीर अली मीर ने अपनी नवीन रचनाओं को प्रस्तुत दी।

राज्यस्तरीय कराटे चौंपियनशिप का समापन

राज्यभर से जुटे 200 खिलाड़ी कराटे कला का अद्भुत प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ कराते संघ द्वारा दो दिवसीय राज्यस्तरीय कराटे चौंपियनशिप का समापन रविवार को हुआ। शहर स्थित अग्रसेन भवन में 8 से 9 जून तक स्पर्धा का आयोजन किया गया। चौंपियनशिप को तीन खंडों में विभाजित किया गया, जिसमें सीनियर, जूनियर, सब-जूनियर वर्ग के बालक-बालिका खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। राज्यस्तरीय कराटे चौंपियनशिप में 200 खिलाड़ी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन विश्व कराटे संघ के नियमों के अनुसार किया गया, जहां अनुभवि खिलाड़ी निर्णायक के रुप में मौजूद रहे।

इसमें भाविका साहू, पूर्वी साहू, मो.मियाज, आदित्य झा, अभिषेक पांडे, आंचल धनकर निर्णायक स्वरुप उपस्थित रहे। दो दिवसीय कराटे प्रतियोगिता के अंतर्गत काता और कुमते में खिलाड़ियों की दमदार प्रस्तुति देखने को मिली। कार्यक्रम के समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ करते संघ के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, सचिव अजय साहू, कोषाध्यक्ष कमलेश देसाई मौजूद रहे, जिनके द्वारा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया।

ये बने विजेता

- पहले दिन विभिन्न स्थानों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, इनमें मिहिरा, नमीत सुंदरानी, प्रियंका साहू,अभेद्य,अंशिका गुप्ता, आयुश यादव और वर्तिका जंघेल ने पहला स्थान प्राप्ता किया।
- दूसरे दिन पुरुष वर्ग से ओपन काता में प्रथम स्थान भविष्य श्रीगंगे, द्वितीय स्थान देवानाग, तृतीय स्थान अभिषेक पांडे एवं अतुल कुमार अहिरवार ने बाजी मारी। कुमते 60 किलोग्राम से कम पुरुष वर्ग में प्रथम चूणामणि, द्वितीय समीर सेन एवं तृतीय विकास कुमार को पुरस्कार दिया गया।
- 60 से 65 किलो में किशन कुमार प्रथम, अतुल कुमार अहिरवार द्वितीय और संदीप दिवाकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- 65 किलोग्राम से अधिक वर्ग में प्रथम स्थान देवनाग, द्वितीय स्थान अभिषेक पांडे और तृतीय स्थान भविष्य श्रीगंगे ने प्राप्त किया।
- महिला वर्ग काता में प्रथम स्थान नेहा खूंटी व द्वितीय स्थान नीलम साहू ने हासिल किया।
- पुरुष वर्ग टीम कुमाइट में रायपुर की टीम प्रथम रही, जिसमें आदित्य झा, वीर साहू, अभिषेक पांडे शामिल रहे। दूसरे नंबर पर दल्ली राजहरा से देव नाग, समीर सेन, किशन कुमार को पुरस्कृत किया गया।

जरूरी नहीं ब्लड टेस्ट, अब यूरीन के जरिए होगी शुगर लेवल की जांच

रायपुर। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के केमिस्ट्री डिपार्टमेंट में एसोसिएट प्रो.डॉक्टर कफील अहमद सिद्दिकी और उनके पीएचडी छात्र विभव शुक्ला ने एक महत्वपूर्ण खोज की है। उन्होंने एक टेस्ट स्ट्रिप विकसित की है, जो मानव शरीर में यूरिन के माध्यम से शुगर लेवल की जांच कर सकती है। यह नवाचार ग्लूकोज मॉनिटरिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो रक्त परीक्षण से डरते हैं। पारंपरिक रूप से, ग्लूकोज स्तर को डायबिटीज जैसी बीमारी की जांच के लिए ब्लड सैंपल लेकर मापा जाता है। उच्च रक्त ग्लूकोज स्तर ग्लाइकोसुरिया का कारण बन सकता है, जहां ग्लूकोज यूरिन में चला जाता है। सामान्यतः यूरिन में ग्लूकोज स्तर नगण्य या अनुपस्थित होते हैं, लेकिन जब यह मौजूद होता है, तो यह अक्सर डायबिटीज या अन्य मेटाबोलिक समस्याओं को दर्शाता है।

ब्लड टेस्ट से डरते हैं लोग

शोधकर्ता प्राध्यापक ने कहा, कई लोग रक्त परीक्षण से डरते हैं और गलतफहमियों के शिकार बनते हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग मानते हैं कि एक बूंद खून बनने में एक साल लगता है, जिससे वे शुगर परीक्षण के लिए रक्त देने से बचते हैं। यह नई यूरिन-आधारित टेस्ट स्ट्रिप इस डर को कम कर सकती है, जिससे ग्लूकोज मॉनिटरिंग अधिक सुलभ हो जाएगी।

सस्ती स्ट्रिप्स बनाना लक्ष्य

डॉ. सिद्दिकी ने कहा कि उनका लक्ष्य ऐसी टेस्ट स्ट्रिप्स बनाना है जो सस्ती और आसानी से उपलब्ध हो, जैसे कि गर्भावस्था परीक्षण स्ट्रिप्स। उनका उद्देश्य यह है कि आम लोग अपने घर में बिना किसी इंजेक्शन या रक्त के अपने शुगर स्तर की सही जांच यूरिन के माध्यम से कर सकें। उनका अब तक किया गया यह शोध कार्य 'मटेरियल्स टुडे केमिस्ट्री' में प्रकाशित हुआ है। उन्होंने कहा, यह अनुसंधान ग्लूकोज डिटेक्शन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति लाएगा। टीम की उन्नत और पर्यावरण अनुकूल टेस्ट स्ट्रिप्स बनाने की कोशिश कर रही है।

प्रभावित होते हैं सभी अंग

उच्च शुगर स्तर या हाइपरग्लाइसीमिया को अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का सामान करना पड़ सकता है।इससे किडनी, नसें, दिल और रक्त वाहिकाओं सहित अंग प्रभावित हो सकते हैं। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के अनुसार, 2019 में लगभग 463 मिलियन वयस्क डायबिटीज से पीड़ित थे और यह संख्या 2045 तक 700 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है। डायबिटीज के नियंत्रण और इसकी जटिलताओं को रोकने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करना बहुत आवश्यक है।

कैंपस इवेंट

उत्तर देने से पहले समझें एग्जामिनर का माइंड सेट

रायपुर। पढ़ाने के अलग-अलग तरीकों के इस्तेमाल से छात्रों को शिक्षा में इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी से जोड़कर बेहतर किया जा सकता है।इससे नई जानकारी के साथ ही यूपीएससी और पीएससी के अभ्यर्थियों को बेहतर किया जा सकता है। किसी विषय की तैयारी में एग्जामिनर के माइंडसेट को समझना अनिवार्य है। ऐसा करके उस विषय से संबंधित परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों का अंदाज हो जाता है। इसी तरह से मेंस के आंसर राइटिंग में विजुअल्स और डुडल्स का इस्तेमाल करके अपने उत्तर को औरों से अलग रखते हुए भी अधिक अंक प्राप्त किए जा सकते हैं । यह बात रविवार को सिविल लाइन स्थित युवा संस्था के हाल आयोजित सेमीनार में मुख्य वक्ता संतोष बिसेन ने कही। इस दौरान उन्होंने उदाहरण के जरिए भी युवाओं को समझाया।

इंग्लिश भाषा को भी दें पर्याप्त समय

विजुअल्स एंड डूडल्स एन इनोवेटिव एप्रोच टू लर्न एंड स्टडी विषय पर आयोजित सेमिनार में द.पू. मध्य रेलवे की चीफ लोको इंस्पेक्टर भोली चौधरी ने युवाओं को अंग्रेजी सीखने और बोलने में महारत हासिल करने का गुरुमंत्र दिया। इंग्लिश भाषा को अन्य तैयारियों के साथ पर्याप्त वक्त देने की बात कही गई। युवाओं के मांग पर सप्ताह में इंग्लिश की दो क्लास लेने का भरोसा दिलाया। युवा संस्था की सचिव पल्लवी वर्मा एवं संस्थापक एम. राजीव ने अतिथियों को शॉल, श्रीफल, सूत की माला व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

व्यापम की प्रवेश परीक्षाएं शुरू, रविवार को दो पालियों में हुई परीक्षाएं

प्री एग्रीकल्चर टेस्ट में आधे अभ्यर्थी नदारत, बीए-बीएससी बीएड में पहुंचे मात्र 20%, फिजिक्स आसान, गणित ने रूलाया

कार्नर न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार को दो पालियों में प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन हुआ। पहली पाली में पीएटी अर्थात प्री एग्रीकल्चर टेस्ट तथा पीवीपीटी का आयोजन हुआ। दूसरी पाली में प्री बीए-बीएड तथा प्री बीएससी-बीएड के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। शहर के दर्जनभर से अधिक स्कूलों में इन प्रवेश परीक्षाओं के लिए केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह से विद्यार्थियों की भीड़ देखने को मिली। दोनों ही परीक्षाओं में बड़ी संख्या में ऐसे छात्र रहे, जिन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन तो किया, लेकिन शामिल नहीं हुए। पीएटी के लिए 46 हजार 275 छात्रों ने फॉर्म भरे थे। इसी तरह से पीवीपीटी के लिए 32 हजार 875 ने आवेदन किए थे। इनमें से सिर्फ 50.5 प्रतिशत छात्रों ने ही परीक्षा दिलाई। इसी प्रकार प्रीबीए-बीएएड तथा बीएससी-बीएड के लिए 37 हजार 37 आवेदन मिले थे। इनमें से मात्र 20 प्रतिशत छात्रों ने ही परीक्षा दिलाई।

150 सवाल, तीन हिस्सों में बंटे सवाल

व्यापम द्वारा ये प्रवेश परीक्षाएं महाविद्यालयों में दाखिले के लिए आयोजित की गई, जिसमें बारहवीं पास छात्र शामिल हुए। प्रतिभागी अपने मनपसंद महाविद्यालय में दाखिला लेने के लिए कड़ी मेहनत कर पहुंचे थे। प्री पीएटी को तीन खंडों में बांटा गया था। इसमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान व गणित शामिल रहे। परीक्षा में प्रत्येक विषय से 50-50 अंकों के सवाल पूछे गए। निर्धारित समय में छात्रों को 150 सवाल हल करने थे।

औसत रहे पर्चे

बाहरवीं कक्षा में 73 प्रतिशत हासिल किया, जिसके बाद अब कृषि संबंधित पढ़ाई करने की इच्छा है। प्री पीएटी के लिए रोजाना 3 से 4 घंटे पढ़ाई की। टेस्ट में गणित और रसायन से अधिक फिजिक्स के प्रश्न आसान रहे। बिना किसी कोचिंग सेल्फ स्टडी से ही तैयारी की। इस आधार पर पेपर अच्छे गए हैं। -डिंपल वर्मा

कठिन रहे गणित के सवाल

गणित की विद्यार्थी होने के बाद भी टेस्ट में गणित के प्रश्न कठिन लगे। बारहवीं कक्षा में 82 प्रतिशत हासिल किए हैं। अब एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने की इच्छा हैं। 12वीं परीक्षा के बाद रोजाना 5 से 6 घंटे की तैयारी करते रही। दिक्कत आने पर मोबाइल से प्रश्नों को हल किया और सेल्फ स्टडी करती रही। -खुशबू साहू

11वीं-12वीं के आधार पर सवाल

परीक्षा में फिजिक्स के प्रश्न आसान आए थे। एनसीईआरटी की किताब से प्रश्न नहीं पूछे गए थे। 11वीं-12वीं के सिलेबस के आधार पर सवाल पूछे गए। यह मेरा पहला अटैंप है। बारहवीं के बाद पढ़ाई शुरू कर दी थी। इस आधार पर प्रश्नपत्र औसत रहा। - जान्हवी सोनकला

सिटी स्पोर्ट्स

अग्रवाल बैडमिंटन लीग में रितेश व हर्षिता विजेता

रायपुर। अग्रवाल सभा रायपुर की इकाई अग्रवाल युवा मंडल एवं स्काई टी.एम.टी ने दो दिवसीय अग्रवाल बैडमिंटन लीग का सफल आयोजन किया। 8 जून को बसना विधायक संपत अग्रवाल ने इसका उद्घाटन किया। युवा मंडल महामंत्री सी एस सौरभ अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का समापन रविवार 9 जून को छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व अपर मुख्य सचिव सी के खेतान की उपस्थिति में हुआ। मीडिया प्रभारी आयुष मुरारका ने बताया सिंगल वर्ग में 35 वर्ष से अधिक में रितेश कुमार अग्रवाल, 19-35 वर्ष (पुरुष) में वरुण जैन,19-35 वर्ष (महिला) में हर्षिता अग्रवाल,15-19 वर्ष (पुरुष) में वत्सल केडिया,11-15 वर्ष (पुरुष) में सोहम अग्रवाल,11-15 वर्ष (महिला) में आर्शिया अग्रवाल और 11 वर्ष से कम में अद्वै सिंघल विजेता रहे। इसी तरह डबल वर्ग में 35 वर्ष से अधिक में हितेश अग्रवाल एवं नीरज अग्रवाल,19-35 वर्ष में वैभव गोयल एवं वरुण जैन,19 वर्ष से कम में वत्सल केडिया वं अविरल अग्रवाल विजेता रहे। समारोह में अग्रवाल सभा अध्यक्ष विजय अग्रवाल, कैलाश मुरारका और किशन अग्रवाल सहित भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदन लाल जैन और स्काई टी.एम.टी के निदेशक रवि सिंघल ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। युवा मंडल अध्यक्ष राम अग्रवाल ने बताया कि समाज के युवावों को खेल के प्रति जागरूक करने और समाज को एकजुट करने के लिए यह प्रतियोगिता हर साल आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम प्रभारी संदीप अग्रवाल ने बताया कि आयोजन में 10 वर्गों में 5 वर्ष से लेकर 60 वर्ष के 250 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और करीब 250 से ज्यादा मैच खेले गए, हर वर्ग के इस कार्यक्रम में रायपुर ही नहीं अपितु प्रदेश के विभिन्न शहरों के खिलाड़ियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। प्रचार प्रसार प्रभारी आयुष मुरारका ने बताया कि समापन समारोह में अग्रवाल सभा महामंत्री मनमोहन अग्रवाल, युवा मंडल प्रभारी सुभाष अग्रवाल, संगठन मंत्री योगी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेम चंद अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, किशन अग्रवाल, अग्रवाल महिला मंडल अध्यक्ष माया मुरारका, अग्रवाल युवती मंडल अध्यक्ष शिवांगी अग्रवाल, युवा मंडल से आयुष अग्रवाल,विनीत अग्रवाल, एकांश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, सिद्धार्थ तुलसियान, संदीप अग्रवाल, अभिषेक टेकरिवाल, अभिषेक पोद्दार, आयुष अग्रवाल (मोवा), गोपाल अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, हर्षित अग्रवाल, आशीष अग्रवाल,शुभम चौधरी,हेमंत मित्तल, वेदांत अग्रवाल, अमर अग्रवाल,पुनीत अग्रवाल,पीयूष अग्रवाल सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्य शतरंज में राष्ट्रीय चैंपियन रूपेश हुए उलटफेर का शिकार

रायपुर। पिथौरा में चल रही चार दिवसीय सीनियर महिला-पुरुष फीडे रेटिंग राज्य शतरंज चयन स्पर्धा के छठवें चक्र का शुभारंभ गेस्ट ऑफ़ द डे के रूप में उपस्थित एस डी ओ फॉरेस्ट यू आर बसंत ने किया। इस अवसर पर बसंत ने अपने उदबोधन में कहा कि इस तरह के प्रदेश में फीडे रेटिंग स्पर्धा के आयोजन होते रहने से निश्चित रूप से प्रदेश में अंतराष्ट्रीय वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। राज्य सचिव एवं टूर्नामेंट डायरेक्टर हेमन्त खुटे ने अथिति यू आर बसंत को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

छठवें चक्र में खेले गए टॉप-10 बोर्ड के परिणाम में पहले बोर्ड पर आशुतोष बैनर्जी दुर्ग 1939 (5 अंक) व राजनांदगांव के स्पर्श खंडेलवाल 1921 (4.5) के मध्य खेली गई बाजी बिना किसी हार-जीत के ड्रा पर छूटी। दोनों खिलाड़ियों ने आधे-आधे अंक आपस में बांटे। दूसरे टेबल पर यशद बांबेश्वर दुर्ग 1860 (4.5अंक) ने सफेद मोहरे से खेलते हुए रायपुर के शुभांकर बामलिया 1711 (4.5 अंक) को हराया। तीसरे टेबल पर रायपुर के अक्षत मोहबिया 1741 (4 अंक) व रायगढ़ के शुभम सिंह 1618 (4.5 अंक) के मध्य खेली गई रोचक बाजी में शुभम में उम्दा खेल का प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत दर्ज की। चौथे टेबल पर दुर्ग के ईशान सैनी 1566 (4 अंक) व दुर्ग के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी शेख इदु 1944 (4 अंक) के बीच हुए संघर्षपूर्ण मुकाबले में शेख इदु ने आखिरकार जीत हासिल कर ली। पांचवें टेबल पर बिलासपुर के संस्कार कश्यप 1557 (4 अंक) व रायगढ़ के गगन साहू 1789 (4 अंक) के बीच हुए मुकाबले में संस्कार ने गगन साहू को हराकर 1 अंक बटोरने में कामयाब रहे।

हर मौसम में गर्मी लगना शरीर में कुछ व्याधियों की वजह से संभव

आपको हमेशा दूसरों से ज्यादा गर्मी लगती है, कहीं वजह यह तो नहीं

देश के कई हिस्सों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस को छू रहा है। ऐसे में गर्मी से बचना हम सभी के लिए बड़ी चुनौती है। हम सभी लोग गर्मी से बचने के लिए पंखे, कूलर या एसी की मदद ले रहे हैं। लेकिन, एसी या पंखे में बैठने के बाद भी कुछ लोगों को लगातार पसीना निकलता रहता है। उन्हें गर्मी बाकी लोगों से कहीं ज्यादा महसूस होती है। यही स्थिति सर्दी के मौसम में भी होती है। क्योंकि, सर्दी के मौसम में भी उन्हें ठंड बाकी लोगों से ज्यादा लगती है। मेडिकल साइंस इसके पीछे कुछ व्याधियों को वजह मानता है। किसी व्यक्ति को ज्यादा गर्मी या सर्दी महसूस होने के कई कारण हो सकते हैं। इसके कारणों में मधुमेह/डायबिटीज या थायरॉयड की समस्याओं से लेकर स्ट्रेस/तनाव या एंग्जाइटी/चिंता तक हो सकते हैं।

फूड और ड्रिंक्स

बेशक, यह समझ में आता है कि, जब आप गर्म सूप पीते हैं तो आपका शरीर गर्म हो जाता है, लेकिन ठंडी लस्सी या शिकंजी पीते समय भी अगर पसीना निकलने लगे तो, इससे क्या समझा जाए? आमतौर पर गर्म फूड आइटम्स और ड्रिंक्स जो बॉडी टेंप्रेचर को बढ़ा सकते हैं, उनमें मसालेदार खाद्य पदार्थ, कैफीन और शराब शामिल हैं।

एनहाइड्रोसिस

अगर आपको नियमित रूप से ज्यादा गर्मी लगती है, लेकिन पसीना बहुत कम आता है या बिलकुल नहीं आता है, तो आपको एनहाइड्रोसिस नामक समस्या की स्थिति हो सकती है। एनहाइड्रोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपको उतना पसीना नहीं आता जितना आपके शरीर को चाहिए, जिससे शरीर ज्यादा गर्म हो सकता है। एनहाइड्रोसिस के अन्य लक्षणों में शरीर का ठंडा न हो पाना,मांसपेशियों में ऐंठन आना,चक्कर आना और लालिमा शामिल हैं। अगर आपको गर्मी लगती है, लेकिन आपको ज़्यादा पसीना नहीं आता है, तो अपने डॉक्टर से मिलें ताकि वे यह निर्धारित कर सकें कि आपको एनहाइड्रोसिस है या नहीं।

फाइब्रोमायल्जिया

गर्मी का महीना फाइब्रोमायल्जिया से परेशान लोगों के लिए वाकई चुनौती भरा हो सकता है, ये बहुत से लोगों में होने वाला सामान्य पेन डिसऑर्डर है। जो शरीर पर कहर बरपाता है। इस स्थिति वाले लोगों में तापमान के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है, चाहे वह गर्म हो या ठंडा। अगर किसी इंसान को फाइब्रोमायल्जिया है तो, आपको तापमान के प्रति शारीरिक रीएक्शन में भी बढ़ोत्तरी का अनुभव हो सकता है, जिसमें अत्यधिक पसीना आना, लाल होना और गर्मी में सूजन शामिल हो सकती है। यह संभवतः स्वायत्त तंत्रिका तंत्र या आटोनोमिक नर्व्स सिस्टम में परिवर्तन के कारण होता है, जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है।

मधुमेह

डायबिटीज भी आपको दूसरों की तुलना में अधिक गर्मी महसूस करा सकता है। टाइप 1 और टाइप 2 दोनों मधुमेह वाले लोग अन्य लोगों की तुलना में गर्मी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों को होता है जिनका ब्लड शुगर कंट्रोल खराब है और जो तंत्रिका और ब्लड वैसेल डैमेज जैसी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। मधुमेह वाले लोग आसानी से डिहाइड्रेट हो जाते हैं, जो गर्मी के कारण होने वाले नुकसान को और बढ़ा सकता है। इससे ब्लड शुगर का लेवल भी बढ़ सकता है। मधुमेह के अन्य लक्षणों में प्यास ज्यादा लगना,पेशाब की मात्रा का बढ़ना,थकान,चक्कर आना,घावों का ठीक से न भर पाना और धुंधली दृष्टि शामिल हैं।
यदि आपको लगता है कि आपको मधुमेह हो सकता है, तो अपने डॉक्टर से उचित सलाह लेना महत्वपूर्ण है ताकि आप एक डैमेज कंट्रोल कर सकें।

सीढ़ियों की मदद से की जा सकती हैं ये एक्सरसाइज

अधिकतर लोगों का यह मानना होता है कि खुद को फिट रखने के लिए जिम जाना जरूरी होता है। लेकिन आज के समय में लोग ना तो इतना पैसा खर्च करना चाहते हैं और ना ही उनके पास वर्कआउट के लिए पर्याप्त समय है। हालांकि, इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप अपनी फिटनेस के साथ किसी तरह का समझौता करें। अगर आप चाहें तो घर पर ही कम समय में भी वर्कआउट करक अपनी फिटनेस का ख्याल रख सकते हैं और इसमें आपकी मदद करेंगी सीढ़ियां।

जी हां, सीढ़ियां सिर्फ ऊपर चढ़ने या नीचे उतरने का माध्यम मात्र ही नहीं हैं, बल्कि यह आपके वर्कआउट के लिए एक बेहतरीन इक्विपमेंट साबित हो सकती हैं। आप इनकी मदद से कई तरह की अलग-अलग एक्सरसाइज कर सकते हैं और अपने शरीर का ख्याल रख सकते हैं। साथ ही साथ, अतिरिक्त कैलोरी को बर्न कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको सीढ़ियों की मदद से की जाने वाली कुछ बेहतरीन एक्सरसाइजेस के बारे में बता रहे हैं-

सीढ़ी की मदद से करें पुशअप्स : सीढ़ी की मदद से सिर्फ आपकी लोअर बॉडी ही मजबूत नहीं बनती है, बल्कि इससे आप बेहद ही आसानी से अपर बॉडी वर्कआउट भी कर सकते हैं। आप सीढ़ी की मदद से पुशअप्स करें। इसके लिए आप अपने हाथों को पहली सीढ़ी पर मजबूती से रखें। आपके हाथ शोल्डर के समान होने चाहिए। अब अपने पैर की उंगलियों को फर्श पर पुश करें और अपने पैर प्लैंक पोजिशन में होने चाहिए। अब सांस लें और कोहनियों को मोड़ें। अपने शरीर को तब तक नीचे झुकाएं, जब तक कि आपकी छाती सीढ़ियों के ठीक ऊपर न आ जाए। अपनी बाहों को सीधा करते हुए सांस छोड़ें और अपने शरीर को वापस प्रारंभिक स्थिति में उठाएं।

सीढ़ी की मदद से करें स्क्वॉट्स : स्टेयर स्क्वॉट्स क्वाड्रिसेप्स से लेकर हैमस्ट्रिंग और ग्लूट्स को टारगेट करता है, जिससे आपकी लोअर बॉडी अधिक मजबूत बनती है। इसके लिए, अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई की दूरी पर रखते हुए सीढ़ियों की ओर मुंह करके खड़े हो जाएं। अपने शरीर को स्क्वाट की पोजिशन में लाएं। जैसे ही आप स्क्वाट करते हुए वापिस उठते हैं, तो पहली सीढ़ी पर कदम रखें, अपने दाहिने पैर से आगे बढ़ें, फिर अपने बाएं पैर से आगे बढ़ें। आप चाहें तो दोनों पैरों से कूद भी सकते हैं और फिर बैठ भी सकते हैं।

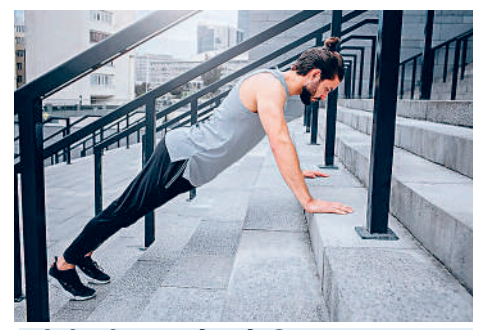

सीढ़ी की मदद से करें डिप्स

स्टेयर डिप्स एक बेहद ही इंटेंस वर्कआउट में से एक है जो आपके ट्राइसेप्स और कंधों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, इससे आपके शरीर का ऊपरी हिस्सा टोन और अधिक मजबूत बनता है। इसके लिए आप अपने हाथों को अपने कूल्हों के पास रखकर और अपनी हथेलियों से सीढ़ी के किनारे को पकड़कर निचली सीढ़ी के किनारे पर बैठें। अपने पैरों को अपने सामने फैलाएं और अपने कूल्हों को सीढ़ियों से आगे की ओर रखें। अपनी कोहनियों को मोड़कर अपने शरीर को ज़मीन की ओर नीचे लाएं और फिर प्रारंभिक स्थिति में लौटें। इस तरह आप बार-बार इसका अभ्यास कर सकते हैं।

आपके रसोईघर में किस दिशा में होनी चाहिए खिड़की?

वास्तु शास्त्र में सभी दिशाओं को अहम मानी जाता है। इन दिशाओं के बारे में ज्ञात होना बेहद जरूरी है। अगर कोई सामान गलत दिशा में रखी गई है, तो व्यक्ति को अशुभ परिणाम मिल सकते हैं। इसलिए सही स्थान पर भी सामान रखा उत्तम फलदायी माना जाता है। अब ऐसे में जिस तरह रसोईघर और पूजाघर की दिशा महत्वपूर्ण है, ठीक वैसे ही किसी कमरे में लगी खिड़कियां किस दिशा में होनी चाहिए। जिससे घर में सकारात्मकता ऊर्जा का संचार हो सके। इसके बारे में हमने ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से पूछा। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि रसोई घर की खिड़की किस दिशा में होनी चाहिए?

रसोईघर की किस दिशा में होनी चाहिए खिड़की?

रसोई घर में खिड़की की दिशा पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा उत्तम मानी जाती है। इसके अलावा दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा में भी लगा सकते हैं।

रसोई घर में खिड़की पूर्व दिशा में हो

रसोई घर में खिड़की की दिशा पूर्व दिशा में होना चाहिए। क्योंकि यह सूर्योदय की दिशा है और इसे सबसे शुभ दिशा माना जाता है। पूर्व दिशा में खिड़की होने से रसोई घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशी लाता है।

रसोई घर में खिड़की उत्तर-पूर्व दिशा में हो

रसोई घर में खिड़की उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। क्योंकि यह दिशा ज्ञान और आध्यात्मिकता की दिशा है। उत्तर-पूर्व दिशा में खिड़की होने से रसोई घर में शांति और सकारात्मकता का वातावरण बनता है। इससे पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि का भी आगमन होता है।

रसोई घर में खिड़की दक्षिण-पूर्व में हो : रसोई घर में खिड़की दक्षिण-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। बता दें, यह समृद्धि और सफलता की दिशा है। दक्षिण-पूर्व दिशा में खिड़की होने से रसोई घर में आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है।

रसोई घर में खिड़की उत्तर-पश्चिम में हो : रसोई घर में खिड़की उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। यह व्यापार और व्यवसाय की दिशा है। उत्तर-पश्चिम दिशा में खिड़की होने से रसोई घर में कामकाज में सफलता मिल सकती है।

घर पर बना रहे हैं जैम तो इन बातों का रखें ध्यान

जैम ज्यादातर घरों में खाना पसंद किया जाता है, खासतौर से बच्चों का तो यह फेवरेट होता है। आजकल तो जैम का क्रेज इतना बढ़ गया है कि लोग न सिर्फ ब्रेड, बल्कि रोटी पर भी इसे लगाकर खाते हैं। यही वजह है कि बच्चे बार-बार मम्मी से जैम की डिमांड करते हैं।

अब तो मार्केट में कई तरह के जैम के फ्लेवर मिलने लगे हैं। यही वजह है कि लोग मार्केट से जैम खरीदकर लाना पसंद करते हैं। हालांकि, देखा जाए तो मार्केट में मिलने वाले रेडीमेड जैम काफी महंगे होते हैं। इतना ही नहीं, उसमें कई तरह के प्रिजर्वेटिव्स का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए, इसे खाना सेहत के लिए उतना अच्छा नहीं होता है।

ऐसे में बेहतर होगा कि आप जैम को घर पर बनाएं और बनाते वक्त कुछ टिप्स को ध्यान में रखें। तो देर किस बात की, आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

जैम का फ्लेवर करें डिसाइड : जैम का फ्लेवर डिसाइड करने के लिए जरूरी है कि यह प्लान करें कि इसका फ्लेवर कैसा होगा जैसे कि मिक्स फ्रूट्स जैम बनाने के लिए मल्टी फ्रूट्स की जरूरत होगी। वहीं, अगर आप आम का जैम बनाना चाहते हैं, तो मैंगो की जरूरत होगी।

अगर आप कुछ डिफरेंट ट्राई करना चाहते हैं, तो केला, सेब या पपीते का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप फ्लेवर डिसाइड कर लेंगे, तो आपको जैम बनाने में दिक्कत नहीं होगी और आसानी से इंग्रीडिएंट्स भी सेलेक्ट हो जाएंगे।

गुड़ का करें इस्तेमाल

वैसे तो जैम को बनाने के लिए चीनी का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप हेल्थ को लेकर सीरियस हैं, तो कोशिश करें कि गुड़ का इस्तेमाल किया जाए। गुड़ न सिर्फ जैम को स्वादिष्ट बनाएगा, बल्कि इसे हेल्दी भी बनाएगा। इससे जैम का रंग भी बहुत ही अच्छा आएगा। इसके लिए आपको गुड़ के छोटे-छोटे टुकड़े का इस्तेमाल करना होगा। इससे आपको चाशनी बनाने में बहुत ही आसानी होगी और आपको मजा भी आएगा।

चाशनी ज्यादा न पकाएं
अगर आपको लगता है कि ज्यादा पकाने से जैम का स्वाद अच्छा होता है, तो यह आपकी गलतफहमी है। जैम को ज्यादा पकाने से न सिर्फ आपको इसे स्टोर करने में दिक्कत होगी, बल्कि ठंडा करने के बाद यह गाढ़ा हो जाएगा।

टेबल-चेयर नहीं है तो कोई बात नहीं, आप ऐसे कर सकते हैं वर्क फ्रॉम होम

कोरोना काल के समय वर्क फ्रॉम होल का चलन शुरु हुआ था। उस समय हालात ऐसे थे कि न चाहते हुए भी लोगों को घर से ही काम करना पड़ता था। लेकिन इसकी लहर कम होने के बाद भी कई बड़े ऑफिस ने वर्क फ्रॉम होम का चलन खत्म नहीं किया। आज तो हालात ऐसे हैं कि कई कंपनी लोगों को कभी ऑफिस बुलाती ही नहीं है। उन्हें घर से ही काम करने का मौका मिलता है। लेकिन अपने घर से दूर रहकर शहरों में अकेले रह रहे लोगों के पास घर पर अपना डेस्क नहीं होता। टेबल और चेयर की सुविधा नहीं होने की वजह से 9 से 10 घंटे का काम उनकी कमर को तोड़ कर रख देता है। अगर आप पूरे दिन झुककर काम करते हैं, तो इससे आपको कमर के साथ-साथ गर्दन में भी समस्या शुरू हो जाती है।

बिन डेस्क के इस तरह करें

घर में अगर जगह कम होने के लिए वजह से आप टेबल और चेयर नहीं खरीद रहे हैं। या फिर आप पीजी या फ्लैट में रहते हैं और आप सामान नहीं बढ़ाना चाहते हैं, इसलिए डेस्क नहीं खरीद रहे हैं, तो चिंता मत करें। आप घर में ही पड़ी चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसके लिए आप दीवार के सहारे बैठें और मोटे कंबल या रजाई का इस्तेमाल करें। अगर आपको रोज ही वर्क फ्रॉम होम जॉब करना है, तो आप ये आइडिया आपके काम आएगा। इससे आपको झुककर लैपटॉप पर काम नहीं करना पड़ेगा और आपके गर्दन और कमर में भी दर्द नहीं होगा।

दूसरा उपाय

अगर आप रजाई या कंबल का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं, तो आप तकिए का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप दीवार के सहारे बैठें और अपने सामने 3 से 4 तकिए रखें। इसके ऊपर आप अपना लैपटॉप रखकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको ज्यादा परेशानी नहीं होगी। इसकी मदद से आपको झुककर काम नहीं करना पड़ेगा।

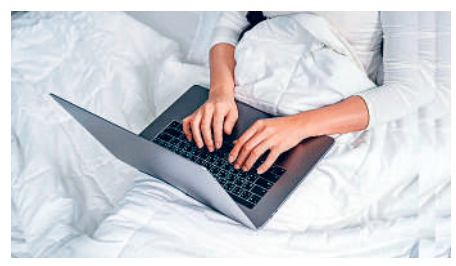

तीसरा उपाय

अगर आपके घर में डेस्क नहीं है, तो टेबल की जगह आप शॉपिंग बॉक्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके लिए स्टडी टेबल की तरह काम करेगा। अगर डिब्बा बड़ा है फिर तो आपको काम करने में बिल्कुल भी परेशान नहीं होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि शॉपिंग बॉक्स गत्ते से बने होते हैं। यह लैपटॉप के वजन से दबेंगे नहीं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

7 साल में बनीं वर्ल्ड ऑफ फ्रोजन, अब दर्शक जानेंगे इसके बनने की कहानी

डिज्नी + की ओर से 'फॉर द फर्स्ट टाइम इन फॉरएवरः द मेकिंग ऑफ वर्ल्ड ऑफ फ्रोजन' नाम से एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री जारी कर दी गई है, जिसे डिज्नी + पर देखा जा सकता है। इससे दर्शक दुनिया के पहले फ्रोजन थीम वाले लैंड के बनने की कहानी को जान पाएंगे। डिज्नी की ओर से दर्शकों को एक कमाल का तोहफा दिया गया है। दरअसल, दर्शक हॉन्ग कॉन्ग में बनाए गए दुनिया के पहले फ्रोजन थीम वाले लैंड के बनने की कहानी को जान पाएंगे। इसे पिछले साल डिज्नीलैंड में पेश किया गया था। इसके लिए डिज्नी + की ओर से 'फॉर द फर्स्ट टाइम इन फॉरएवरः द मेकिंग ऑफ वर्ल्ड ऑफ फ्रोजन' नाम से एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री जारी कर दी गई है, जिसे डिज्नी + पर देखा जा सकता है। फ्रोजन लैंड की मेंकिग से दर्शकों को इसके बनने की प्रकिया को जानने का मौका मिलेगा। दर्शक जान पाएंगे कि आखिर इसका डिजाइन कैसे तैयार किया गया। साथ ही इसकी रचनात्मक प्रक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब भी मिलेंगे। डिज्नी के कलाकार बताएंगे कि किंगडम ऑफ एरेन्डेल को बनाने के लिए क्या-क्या करना पड़ा था। मालूम हो कि वर्ल्ड ऑफ फ्रोजन को 20 नवंबर, 2024 को हांगकांग स्थित डिज्नीलैंड में खोला गया था। इसे बनाने में सात साल का समय लगा। जाहिर है इसके लिए बहुत पसीना बहाया गया है।

टॉलीवुड

बड़े पर्दे पर दुलकर सलमान से होगी शिवकार्तिकेयन की टक्कर

दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने के लिए कतार में हैं। अब ऐसी अफवाहें हैं कि तमिल अभिनेता शिवकार्तिकेयन और मलयालम अभिनेता दुलकर सलमान की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर होने की संभावना है। दरअसल, दुलकर सलमान की फिल्म 'लकी भास्कर' की रिलीज की तारीख का खुलासा पहले से हो चुका है। यह फिल्म 27 सितंबर को बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। इससे पहले इस फिल्म की टक्कर पवन कल्याण की ओजी से होने की संभावना थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब यह साफ हो चुका है कि पवन कल्याण की फिल्म 'ओजी' 27 सितंबर को नहीं आ रही है और इसलिए उस तारीख पर अब दुलकर सलमान की फिल्म का कब्जा है। मूल रूप से तेलुगु में शूट की गई यह फिल्म बहुभाषी रिलीज होगी। हालांकि, अब एक नई चर्चा शुरू हो गई है। भले ही पवन कल्याण की फिल्म से दुलकर की फिल्म की टक्कर न हो, लेकिन शिवकार्तिकेयन की बहुप्रतीक्षित देशभक्ति फिल्म 'अमरन' से कड़ी टक्कर मिल सकती है। कॉलीवुड फिल्म जगत में चर्चा है कि शिवकार्तिकेयन की 'अमरन' अलग-अलग भाषाओं में उसी तारीख यानी 27 सितंबर को रिलीज हो रही है। हालांकि, रिलीज की तारीख के बारे में आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। 'अमरन' 2014 में जम्मू कश्मीर के शोपियां में एक आतंकवादी रोधी अभियान में शहीद हुए मेजर मुकुंद वरदराजन की बायोपिक है। उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था।

भोजपुरी

'तोहसे जुदा ना होएब कभी साजन' को मिला दर्शकों का प्यार

सैफ अली हैदर की फिल्म 'तोहसे जुदा ना होएब कभी साजन' यूट्यूब पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के मुख्य आकर्षण बॉलीवुड में खलनायक के रूप में प्रसिद्धि पा चुके अली खान हैं। इस फिल्म की कहानी में कई ट्विस्ट और टर्न हैं जो दर्शकों को बांधे रखते हैं। एक अनोखी प्रेम कहानी पर आधारित सैफ अली हैदर की फिल्म 'तोहसे जुदा ना होएब कभी साजन' यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'तोह से जुदा ना कभी होईबे साजन' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जिसमें प्यार, संघर्ष, और परिवार के महत्व को खूबसूरती से दिखाया गया है। फिल्म की कहानी एक युवक और उसकी प्रेमिका के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों के प्यार को समाज की बंदिशों और पारिवारिक विरोध के कारण कठिनाइयों का सामना करता है। कहानी में कई ट्विस्ट और टर्न हैं जो दर्शकों को बांधे रखते हैं। इस फिल्म का निर्देशन सैफ अली हैदर ने किया है जिन्होंने इस फिल्म को बेहद बारीकी से बनाया है और दावा किया है कि यह फिल्म सभी वर्ग के दर्शकों को पसंद आएगी। उन्होंने कहा है कि फिल्म में भरपूर मनोरंजन दर्शकों को मिलेगा। सैफ अली हैदर ने कहानी को सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया है। फिल्म की गति संतुलित है और दृश्यांकन आकर्षक है। गाने और डांस सीक्वेंस भी अच्छी तरह से फिल्माए गए हैं और कहानी में चार चांद लगाते हैं। फिल्म का संगीत मधुर और सुरीला है। गाने कहानी के मूड को बढ़ाते हैं और दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाते हैं। विशेष रूप से, रोमांटिक गाने दर्शकों को भावुक कर देते हैं। इस फिल्म को देखना उन सभी के लिए एक अच्छा अनुभव होगा जो भोजपुरी सिनेमा के प्रेमी हैं और एक अच्छी प्रेम कहानी की तलाश में हैं। आपको बता दें कि इस फिल्म के मुख्य आकर्षण बॉलीवुड में खलनायक के रूप में प्रसिद्धि पा चुके अली खान और भोजपुरी जगत के सर्वश्रेष्ठ एक्टर में एकदीप श्रेष्ठ हैं।

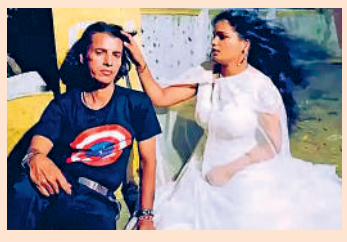

अनोखे और दिलचस्प अफ्रीकी फ़ैशन एक असीमित अवसरों का क्षेत्र है। यहां का फैशन परंपरागत होते हुए भी मध्यम वर्ग के उदय, युवा और बढ़ती आबादी, तेजी से शहरीकरण और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उद्भव से प्रेरित है। वर्तमान समय में लादुमा मैक्सहोसा,इमाने अयीसी,लिसा फोलावियो और कटुंगुलु मवेंडवा जैसे अफ्रीकी डिजाइनरों की प्रतिभा और रचनात्मकता की गूंज पूरी दुनिया में कायम है।

चिलचिलाती गर्मी से फटने लगी हैं एड़ियां तो ऐसे करें सुधार

हाल ही खत्म हुए नौतपा ने लोगों की हालत खराब करके रख दी है। इस मौसम में अगर सही समय पर फटी एड़ियों का इलाज न किया जाए तो इसकी परेशानी बढ़ने लगती है। कई बार तो दिक्कत ज्यादा बढ़ने पर इनसे खून तक आने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि सही समय पर इनका इलाज किया जाए। अगर चिलचिलाती गर्मी की वजह से आपकी एड़ियां भी फटने लगी हैं तो आप कुछ घरेलु चीजों का इस्तेमाल करके इस परेशानी से राहत पा सकते हैं।

शहद

अगर आप फटी एड़ियों से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये एड़ियों को मुलायम बनाने के काम आता है। इसके लिए आपको बस थोड़े से पानी में शहद को घोलना है और इसमें 20 मिनट तक पैर को डुबो कर रखना है। इसके बाद मुलायम कपड़े से पैर सुखा लें और फिर स्क्रब करें। इससे कुछ ही दिनों में आपको असर दिख जाएगा।

सेंधा नमक

हर घर में सेंधा नमक आसानी से मिल जाएगा। इसके लिए सबसे पहले एक टब मे गुनगुना पानी

लेकर उसमें दो से तीन चम्मच सेंधा नमक मिलाएं। अब कुछ देर के लिए पैरों को इस पानी में डुबो कर रखें। तकरीबन 20 मिनट के बाद पैरों को पानी से निकाल कर सुखा लें। इसके बाद इनमें मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। इससे आपको राहत मिलेगी।

चावल का आटा

फटी एड़ियों से राहत पाने में चावल का आटा आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले दो चम्मच चावल का आटा लेकर उसमें शहद और सेब का सिरका डालें। अब इसका पेस्ट तैयार करके एड़ियों पर स्क्रब करें। 15 मिनट के बाद पैरों को सही से धो लें। कुछ दिन बाद ये आपको असर दिखाएगा।

नारियल का तेल

जिस तरह से सर्दी के मौसम में रूखी त्वचा से राहत पाने के लिए नारियल के तेल का इस्तेमाल किया जाता है, ठीक उसी तरह से आप गर्मियों में भी नारियल के तेल के इस्तेमाल से फटी एड़ियों से राहत पा सकते हैं। इसके लिए आपको बस नारियल के तेल को हर रात फटी एड़ियों पर लगाकर सोना है।

गर्मियों में शरीर को आराम पहुंचाती है मैक्सी ड्रेस, देखें खास डिजाइन

गर्मी के मौसम में स्टाइलिश दिखना बेहद मुश्किल होता है। इसके पीछे की वजह है कि इस मौसम में आप अपने मन से ही कुछ भी नहीं पहन सकते। अगर कपड़ों का चयन सही से न किया जाए तो ये गर्मी के मौसम में उलझन पैदा कर सकते हैं। पुरुषों का तो चल जाता है लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं के सामने आ खड़ी होती है कि वो कैसे कपड़े पहनें, जो आरामदायक भी हों और जिसे पहनकर उन्हें उलझन भी न हो।

अगर आप भी इस उलझन में है तो आप मैक्सी ड्रेस को अपने कलेक्शन में शामिल कर सकती हैं। मैक्सी ड्रेस काफी हल्की होती है और ये देखने में भी प्यारी लगती है। ऐसे में अगर आपको भी मैक्सी ड्रेस पहनना पसंद है तो आप गर्मी के मौसम में इसे खरीद सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ अभिनेत्रियों के मैक्सी लुक्स दिखाएंगे, ताकि आप उनसे टिप्स लेकर खरीदारी कर सकें।

रकुल प्रीत सिंह : अगर फ्लोरल प्रिंट से हटकर किसी अलग प्रिंट की ड्रेस खरीदने का सोच रही हैं तो रकुल प्रीत के जैसी ड्रेस का चुनाव आप कर सकती हैं। ये ड्रेस आप पिकनिक के साथ-साथ बीच पर भी कैरी करके जा सकती हैं।

दीया मिर्जा : अभिनेत्री दीया मिर्जा के पास मैक्सी ड्रेस का काफी खूबसूरत कलेक्शन है। ऐसे में आप इनके कलेक्शन पर नजर डालकर अपने लिए खरीदारी कर सकती हैं। फ्लोरल प्रिंट से लेकर रंग-बिरंगी मैक्सी ड्रेस तक इनके कलेक्शन में शामिल हैं।

दिशा पाटनी : ब्लू और व्हाइट रंग की ये ड्रेस गर्मी के मौसम में आपको काफी आराम पहुंचाएगी। इसके साथ आप व्हाइट रंग की ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं। ये देखने में कमाल की लगेगी। ऐसी ड्रेस के साथ गले में हल्का सा पैंडेट जरूर कैरी करें।

जान्हवी कपूर : अगर डीपनेक मैक्सी ड्रेस कैरी करना चाहती हैं तो जान्हवी के इस आउटफिट से टिप्स ले सकती हैं। इस तरह की मैक्सी आप कहीं घूमने जा रही हैं तो कैरी कर सकती हैं।

शनाया कपूर : अगर काफी घेर वाले आउटफिट आपको पसंद आते हैं, तो आप शनाया कपूर के इस लुक से टिप्स ले सकती हैं। शनाया की ये घेर वाली मैक्सी ड्रेस आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगी। इसका रंग काफी चटक है, ऐसे में इसके साथ ज्वेलरी हल्की ही पहनें।

लिपस्टिक लगाते समय रखें इन बातों का ध्यान, आपको मिलेगा स्मूद लुक

लिपस्टिक हर लड़की के मेकअप का बेहद ही जरूरी हिस्सा है। चाहे ऑफिस हो या पार्टी लड़कियां कहीं जाने से पहले लिपस्टिक लगाना कभी नहीं भूलतीं। ये एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जिसके इस्तेमाल से हर लड़की के लुक में चार चांद लग जाते हैं। लिपस्टिक कई तरह की आती हैं, जिनको लगाने का तरीका भी अलग-अलग होता है। सभी महिलाएं अपने रंग और प्रोफेशन के हिसाब से लिपस्टिक का शेड चुनती है।

लिपस्टिक का शेड चुनना तो आसान होता है, पर कई लड़कियों को सही से लिपस्टिक लगाने का सही तरीका नहीं पता होता। जिस वजह से कई बार लिपस्टिक खराब लगती है। इसी के चलते आज की खबर में हम आपको लिपस्टिक लगाने का सही तरीका बताएंगे। अगर आप इन बातों को फॉलो करती हैं तो आपकी होंठ ना तो ड्राई दिखेंगे और ना ही ज्यादा ग्लोसी।

इस तरीके से लगाएं लिपस्टिक : जब भी लिपस्टिक लगाने की शुरुआत करें तो हमेशा लिप्स के बीच वाले हिस्से से करें। किनारे से लगाने पर लिपस्टिक फैल जाती है और इस से आप के लिप्स की शेप भी अच्छी नहीं दिखती।

मैट लिपस्टिक लगाते समय रखें इस बात का ध्यान

लिपस्टिक लगाते समय सबसे पहले लिपबाम लगाएं। अगर आप ऐसा नहीं करेंगी तो मैट लिपस्टिक हटने लगेगी। इसीलिए पहले लिपबाम लगाएं। इसके साथ ही मैट लिपस्टिक को हमेशा डायरेक्ट लगाएं। इसके लिए ब्रश का इसतेमाल नहीं करें। अगर आपकी लिपस्टिक जम गई है तो गर्म पानी डालकर उसे सही कर लें।

लिप्स पर करें डबल कोटिंग : कई मैट लिपस्टिक काफी ड्राई होती है। अगर इसका एक कोट आप लगाती हैं तो लिप्स सूखे लगते हैं। इसी के चलते लिपस्टिक के हमेशा दो ही कोट लगाएं। पहला कोट लगाकर इस पर टिशु रखें और हल्का सा प्रेस करें। अब दूसरी बार लिपस्टिक को लिप्स पर अप्लाई करें।

ओटमील और मुल्तानी मिट्टी की मदद से बनाए स्क्रब

यूं तो आपको मार्केट में कई तरह के स्क्रब मिल जाएंगे, लेकिन घर पर नेचुरल आइटम्स की मदद से स्क्रब बनाना सबसे अच्छा माना जाता है। अगर आप चाहें तो मुल्तानी मिट्टी और ओटमील की मदद से स्क्रब तैयार कर सकते है। जहां मुल्तानी मिट्टी अतिरिक्त ऑयल व गंदगी को साफ करती है, वहीं ओटमील एक जेंटल एक्सफोलिएंट की तरह काम करती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ओटमील और मुल्तानी मिट्टी की मदद से स्क्रब बनाने के बारे में बता रहे हैं-

मुल्तानी मिट्टी, ओटमील और शहद की मदद से बनाएं फेस स्क्रब : मुल्तानी मिट्टी और ओटमील के साथ शहद को मिक्स करके एक बेहतरीन फेस स्क्रब तैयार किया जा सकता है। शहद स्किन की नमी को बनाए रखता है। यह स्क्रब स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ-साथ उसे हाइड्रेट भी करता है।

स्क्रब बनाने का तरीका-स्क्रब बनाने के लिए एक बाउल में मुल्तानी मिट्टी और ओटमील को मिक्स करें। अब इस मिश्रण में शहद मिलाकर स्मूथ पेस्ट बनाएं। अब अपनी स्किन को क्लीन करके तैयार स्क्रब को चेहरे पर लगाएं। आप इसे धीरे-धीरे सर्कुलर मोशन में मसाज करें। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें। अंत में, गुनगुने पानी से चेहरे को धोएं। एलोवेरा अपने सूदिंग और मॉइश्चराइजिंग गुणों के लिए जाना जाता है। आप मुल्तानी मिट्टी और ओटमील के साथ एलोवेरा जेल को मिक्स करके एक बेहतरीन स्क्रब बना सकते हैं।

स्क्रब बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में मुल्तानी मिट्टी और बारीक पिसा ओटमील डालकर मिक्स करें। अब आप इससे स्मूथ पेस्ट बनाने के लिए एलोवेरा जेल को मिक्स करें। तैयार स्क्रब को अपने चेहरे पर लगाएं और सर्कुलर मोशन में मसाज करें। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें। अंत में, गुनगुने पानी से धो लें और थपथपाकर सुखा लें।

मुल्तानी मिट्टी, ओटमील और दही से बनाएं स्क्रब : स्क्रब बनाने के लिए एक कटोरी में मुल्तानी मिट्टी और बारीक पिसा ओटमील डालकर मिक्स करें। अब इसमें सादी दही मिलाकर स्मूथ पेस्ट तैयार कर लें।

कार्नर न्यूज

समर फैशन में मैचिंग के लिए समझदारी जरूरी

हाफ पैंट के साथ शर्ट, टी-शर्ट और फुटवियर्स की मैचिंग करें समझ कर

समर फैशन के लिए शॉर्ट पैंट बेहतर है, क्योंकि कंफर्ट और कूल लुक के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं। साथ ही इनको टी-शर्ट और शर्ट के साथ भी पहन सकते हैं। मगर हाफ पैंट भी कई प्रकार की होती हैं, इसलिए इनके साथ मैचिंग करना जान लें। खासकर, लॉकडाउन फैशन के लिए तो शॉर्ट पैंट से बेहतर क्या हो सकता है। टी-शर्ट ,हाफ स्लीव शर्ट ,स्लीवलेस टी-शर्ट इनको शॉर्ट पैंट के साथ पहनना सही माना जाता है। इसलिए आपको हाफ पैंट और उसके साथ पहने जाने वाले टॉप वियर्स को लेकर कुछ खास जानकारी होना जरूरी है, जिससे आप फैशन मिस्टेक करने से बचें।

शॉर्ट पैंट के हिसाब से फुटवियर्स

हाफ पैंट के साथ जूते या चप्पल को पहनते वक्त भी कुछ बातों का ध्यान रखें। इनके साथ आप बूट्स, फॉर्मल शूज तो नहीं पहन सकते। इसलिए आप स्टाइलिश स्लीपर्स पहनें। इसके अलावा आप लोफर्स और लाइट वेट स्नीकर्स पहन सकते हैं।

शॉर्ट्स पहनते वक्त ये भी ध्यान रखें

घुटनों से नीचे तक शॉर्ट्स को न पहनें।अगर ये घुटनों से नीचे जा रहे हैं तो उनको फोल्ड कर लें। जांघों के एकदम ऊपर तक वाले शॉर्ट्स भी पहनने से बचें।फ्लोरल शर्ट और प्रिंटेड टी-शर्ट को टक इन कर सकते हैं। इस तरह से आप अपनी शॉर्ट पैंट के हिसाब से शर्ट, टी-शर्ट और फुटवियर्स चुन सकते हैं।

चिनो शॉर्ट्स

ये कॉटन से बने होते हैं। इस तरह की हाफ पैंट के साथ फुल स्लीव शर्ट की बांहों को फोल्ड करके पहनें। इसके अलावा प्लेन टी-शर्ट भी पहन सकते हैं। मगर इसके साथ प्रिंटेड टी-शर्ट न पहनें। इसके साथ भी लेयरिंग करना सही माना जाता है।

कार्गो शॉर्ट्स

ये लूज बैगी शॉर्ट्स होते हैं। अगर आपको अधिक पॉकेट वाली हाफ पैंट पहननी है तो ये बेस्ट रहेगा। मगर इनको खरीदते वक्त लेटेस्ट स्टाइल का ध्यान रखें। इनके साथ आप टी-शर्ट और फ्लोरल शर्ट पहन सकते हैं।

लड़कों के लिए हाफ पैंट्स

शॉर्ट पैंट्स लेंथ के हिसाब से होती हैं। इनको अधिकतर लेंथ के हिसाब से ही पहचाना जाता है। साथ ही इसी आधार पर आप भी खुद के लिए हाफ पैंट चूज कर पाएंगे। शॉर्ट पैंट्स में बरमूडा शॉर्ट्स ,चिनो शॉर्ट्स,कार्गो शॉर्ट्स,ट्रंक शॉर्ट्स और बॉक्सर शॉर्ट्स कुछ स्टाइलिश हाफ पैंट्स हैं जिनको आप अपनी पसंद के अनुसार चूज करें। अब इनके साथ पहनी जाने वाली शर्ट और टी-शर्ट के बारे में भी जान लें। ताकि आपको लेयरिंग या मैचिंग करने में दिक्कत न हो।

बरमूडा शॉर्ट्स

इस स्टाइल के शॉर्ट्स को वॉकिंग या ड्रेस शॉर्ट्स के नाम से भी जानते हैं। इनकी लेंथ घुटने से 1 इंच ऊपर तक होती है। ये थोड़े लूज-फिट होते हैं। इनके साथ हाफ शर्ट या टी-शर्ट पहन सकते हैं। अगर आप टी-शर्ट और शर्ट दोनों को पहनना चाहते हैं तो इस तरह के शॉर्ट्स के साथ लेयरिंग करें।